कार्यवाही विवरण

मेसर्स अग्रवाल स्ट्रक्चर मिल्स प्राईवेट लिमिटेड, सिलपहरी, सिरगिट्टी, इण्डस्ट्रीयल एरिया बिलासपुर, जिला–बिलासपुर (छ.ग.) के proposed expansion of existing Sponge Iron Plant by installation of 1x350 TPD DRI kilns along with expansion of CPP (WHRB) from 4 MW to 12 MW के पर्यावरणीय स्वीकृति बाबत् **दिनांक 23/12/2022 को 11:00 बजे छ.ग. राज्य विद्युत मंडल उपकेन्द्र सिलपहरी परिसर, ग्राम–हरदीकला, तहसील–बिल्हा, जिला–बिलासपुर (छ.ग.)** में आयोजित लोकसुनवाई का कार्यवाही विवरण :–

भारत शासन पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली की ई.आई.ए. नोटिफिकेशन 14.09.2006 के प्रावधानों के अनुसार मेसर्स अग्रवाल स्ट्रक्चर मिल्स प्राईवेट लिमिटेड, सिलपहरी, सिरगिट्टी, इण्डस्ट्रीयल एरिया बिलासपुर, जिला–बिलासपुर (छ.ग.) के proposed expansion of existing Sponge Iron Plant by installation of 1x350 TPD DRI kilns along with expansion of CPP (WHRB) from 4 MW to 12 MW के पर्यावरणीय स्वीकृति के संबंध में लोक सुनवाई हेतु उद्योग के आवेदन के परिपेक्ष्य में स्थानीय समाचार पत्र दैनिक भास्कर, बिलासपुर में दिनांक 21/11/2022 तथा राष्ट्रीय समाचार पत्र टाईम्स ऑफ इंडिया, नई दिल्ली के मुख्य संस्करण में दिनांक 21/11/2022 को लोक सुनवाई संबंधी सूचना प्रकाशित करवाई गई थी। तद्नुसार लोक सुनवाई दिनांक **23/12/2022 को 11:00 बजे छ.ग. राज्य विद्युत मंडल उपकेन्द्र सिलपहरी परिसर, ग्राम–हरदीकला, तहसील–बिल्हा, जिला–बिलासपुर (छ.ग.)** में आयोजित की गई। ई.आई.ए. अधिसूचना 14.09.2006 (यथा संशोधित) के प्रावधानों के अनुसार ड्राफ्ट ई.आई.ए. रिपोर्ट, कार्यपालक सार की प्रति (हिन्दी व अंग्रेजी) एवं इसकी सी.डी. (साफ्ट कापी) जन सामान्य के अवलोकन/पठन हेतु कार्यालय कलेक्टर बिलासपुर, कार्यालय मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत बिलासपुर, अनुविभागीय अधिकारी (रा0), कार्यालय अनुविभागीय अधिकारी (रा.) बिल्हा, जिला–बिलासपुर, महाप्रबंधक, कार्यालय जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र बिलासपुर,, क्षेत्रीय कार्यालय, क्षेत्रीय अधिकारी, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल, व्यापार विहार पं. दीनदयाल उपाध्याय पार्क के पास, बिलासपुर, सरपंच/सचिव, कार्यालय ग्राम पंचायत–हरदीकला, धूमा, हरदी, सिलपहरी, कोरमी, बसिया, तहसील–बिल्हा, जिला–बिलासपुर (छ.ग.), डायरेक्टर, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन, मंत्रालय, भारत सरकार, इंदिरा पर्यावरण भवन, वायु विंग, जोरबाग रोड़, नई दिल्ली, मुख्य वन संरक्षक, एकीकृत क्षेत्रीय कार्यालय, भारत सरकार, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन

मंत्रालय, अरण्य भवन, नार्थ ब्लॉक, सेक्टर–19, नवा रायपुर अटल नगर, रायपुर (छ.ग.) एवं मुख्यालय, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल, पर्यावास भवन, नॉर्थ ब्लॉक, सेक्टर – 19, नवा रायपुर अटल नगर, रायपुर (छ.ग.) में रखी गई है। परियोजना के संबंध में सुझाव, विचार, टीका–टिप्पणियां एवं आपत्तियां सूचना प्रकाशन जारी होने के दिनांक से 30 दिन के अंदर क्षेत्रीय कार्यालय, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल, बिलासपुर में मौखिक अथवा लिखित रूप से कार्यालयीन समय में प्रस्तुत करने हेतु आमंत्रित किया गया। इस दौरान लोक सुनवाई के संबंध में सुझाव, विचार, टीका–टिप्पणियां/आपत्तियों के संबंध में इस कार्यालय को 02 आवेदन पत्र प्राप्त हुआ हैं।

लोक सुनवाई हेतु निर्धारित दिनांक **23/12/2022 को 11:00 बजे छ.ग. राज्य विद्युत मंडल उपकेन्द्र सिलपहरी परिसर, ग्राम–हरदीकला, तहसील–बिल्हा, जिला–बिलासपुर (छ.ग.)** में आयोजित की गई। लोक सुनवाई की कार्यवाही आरंभ की गई।

सर्वप्रथम श्री आर. एस. कुरवंशी, अतिरिक्त कलेक्टर, कार्यालय कलेक्टर, जिला–बिलासपुर द्वारा लोक सुनवाई की कार्यवाही आरंभ करने की अनुमति के साथ देवव्रत मिश्रा, क्षेत्रीय अधिकारी, छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल, बिलासपुर द्वारा भारत शासन, पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, नई दिल्ली द्वारा जारी ई. आई.ए. नोटिफिकेशन 14.09.2006 (यथा संशोधित) के परिपेक्ष्य में लोक सुनवाई के महत्व एवं प्रक्रिया के संबंध में विस्तृत जानकारी जनसामान्य को दी गई।

तत्पश्चात् परियोजना प्रस्तावक की ओर से श्री कोनेन सिद्दीकी, एम्पल इन्वॉयरन्मेंट प्राईवेट लिमिटेड, हैदराबाद के द्वारा मेसर्स अग्रवाल स्ट्रक्चर मिल्स प्राईवेट लिमिटेड, सिलपहरी, सिरगिट्टी, इण्डस्ट्रीयल एरिया बिलासपुर, जिला–बिलासपुर (छ.ग.) परियोजना के संबंध में संक्षिप्त जानकारी जनसामान्य को अवगत कराया गया।

अतिरिक्त कलेक्टर, कार्यालय कलेक्टर, जिला–बिलासपुर द्वारा उपस्थित जनसमुदाय को जनसुनवाई संबंधी विषय पर अपने सुझाव, आपत्ति, विचार, टीका–टिप्पणी मौखिक अथवा लिखित रूप से प्रस्तुत करने हेतु आमंत्रित किया गया।

तत्पश्चात् उपस्थित लोगों ने मौखिक रूप से सुझाव, विचार, टीका–टिप्पणियां दर्ज कराया गया। जिसका विवरण निम्नानुसार है :–

1. **श्री श्याम सुंदर, ग्राम–धूमा सिलपहरी, वार्ड नंबर–4** :–मैं इस अग्रवाल प्लांट स्ट्रक्चर से खुश हूॅ। क्योंकि लोगों को और रोजगार देने की चेस्टा कर रही है।

2. **श्री दीपक रात्रे, ग्राम–मंगलूसरा वार्ड क्रमांक 05** :–ये प्लांट खुले से हमर गांव की सब में एक नंबर व्यवस्था बनही। हमर गांव मा देख ले ऐतका बेरोजगार आदमी घूमत हे। ये प्लांट खुल जाही तो जेतका लईका हे बाहर मा घूमत हे सब आके यहां घुस जायही, सब के परिवार ला अच्छा भोजन और परिवार मिलही।

3. **श्री भुवन घृतलहरे, ग्राम–मंगलूसरा वार्ड क्रमांक 05** :–मैं अग्रवाल स्ट्रक्चर को समर्थन दे रहा हूॅ।

4. **श्री श्रवण कुमार ध्रुव, ग्राम–हरदीकला टोना जनप्रतिनिधि** :– मैं अग्रवाल स्ट्रक्चर का पुनः और आगे कार्यरत् फैक्ट्री को बढाया जा रहा है। अभी तक जितने भी फैक्ट्ररियां हमारे यहां कार्यरत है, ये आगे बढाने की कोशिश कर रहे है। हमारे आसपास के गांव वालो को वो जो काम करना चाहते है उनको सुविधा मुहैया कराना चाह रहे है। मैं चाहता हूॅ कि आगे ऐसी काम को कार्यरत रखें। ताकि हमारे आसपास गांव के युवक, जवान, माताएं–बहनी को रोजगार मिले। और हमको सहयोग मिले। ठीक बात है आज हमारे ग्राम पंचायत हरदीकला, धूमा, सिलपहरी, कोरमी, बसिया सभी माता–बहने आज बिलासपुर के लिए रवाना होते है। कहीं न कहीं हमें हरदीकला में रोजगार मिल जाता है। बहुत अच्छी बात है। हम चाहते है कि हमारे गांव के साथियों को हमारे गांव में काम मिलता रहे। इसके लिए अग्रवाल स्ट्रक्चर को धन्यवाद देता हूॅ। और मैं उनका समर्थन करत हूॅ।

5. **श्री राकेश सिंह, ग्राम–धूमा** :–मैं इसका पूर्ण समर्थन करता हूॅ। क्योंकि इससे हमारी बेरोजगारी की कमी होगी साथ मे विकास कार्य जल्दी होगा।

6. **श्री रवि कुर्मी,** :– अग्रवाल स्ट्रक्चर का समर्थन करता हूॅ।

7. **श्री उमेश पात्रे, ग्राम–महमंद** :– मैं अग्रवाल स्ट्रक्चर का समथन करता हूॅ।

8. **श्री सुरेश कुर्रे, ग्राम–हरदीकला** :– मैं अग्रवाल स्ट्रक्चर का समर्थन करता हूॅ।

9. **श्री ..... , ग्राम–पोढी सरपंच** :–आज अग्रवाल स्ट्रक्चर का क्षमता विस्तार होवत हे। मैं ओखर समर्थन करत हव। हमर बेरोजगारी, गांव के विकास। जल पूर्ति के व पूरा मोर पंचायत के तरफ से मैं समर्थनक करत हव।

10. **श्री मोतीलाल खूंटे, ग्राम–धूमा सरपंच** :–बडी खुशी की बात है कि हमारे ग्राम सिलपहरी के मेसर्स अग्रवाल स्ट्रक्चर कंपनी द्वारा क्षमता विस्तार कार्य किया जा रहा है। हम तो समर्थन करते है। लेकिन नियम कानून के अनुसार पेड़ है वृक्षारोपण है सडक में पानी छिडकाव कराये। जैसे हम लोग गाड़ी में जाते है। बडा गाडी हाईवा जाता है। हम लोग स्नान करके बिलासपुर जाते है तो धूल इतना ज्यादा होता है। कि कोई मतलब का नहीं रहता है। समर्थन तो हमारा है ही ग्राम विस्तार के लिए लोगों को रोजगार मिल रहा है। इतना सारा कंपनी है हम चाहते है सभी कंपनी मिलके जल का छिडकाव करे। तभी हम कंपनी का समर्थन करते है।

11. **श्री राजकुमार, ग्राम–मंगूछरा** :– मैं अग्रवाल स्ट्रक्चर को समर्थन देना चाहता हूॅ।

12. **श्री कुमार यादव** :– अग्रवाल स्ट्रक्चर को समर्थन देना चाहता हूॅ।

13. **श्री गिरधारी कश्यप** :– अग्रवाल स्ट्रक्चर को समर्थन देता हूॅ। हमारे युवा भाई बेरोजगार से रोजगार पाये, रोजगार मिले भाई। जो बेरोजगार से रोजगार है वो रोजगार पाये। हमारे युवा भाई को समर्थन सब की तरफ से हैं। रोजगार मिले।

14. **श्री मनोज बंजारे, ग्राम–कोरमी सरपंच प्रतिनिधि** :– करही के लिए समर्थन दे रहा हूॅ। पूरा सहयोग है।

15. **श्रीमती गोवईया पटेल, ग्राम–सिलपहरी** :– हमन समर्थन करथन। राधे कंपनी अग्रवाल कंपनी खुले। हमर बाल बच्चा बेरोजगार हे रोजगार मिले।

16. **श्रीमती मुन्नी बाई, ग्राम–सिलपहरी** :– अग्रवाल स्ट्रक्चर ला मोर समर्थन हे।

17. **श्रीमती लक्ष्मी, ग्राम–सिलपहरी** :– अग्रवाल स्ट्रक्चर ला समर्थन है।

18. **श्री संतराम खूंटे, ग्राम–धूमा** :–मैं फैक्ट्री का समर्थन करता हूॅ।

19. **श्री मनोज बंजारे, ग्राम–धूमा** :– मैं फैक्ट्री का समर्थन करता हूॅ।

20. **श्री अनिल कौशिक** :–समर्थन करता हूॅ अग्रवाल स्ट्रक्चर का।

21. **श्री भरत पटेल, ग्राम–धूमा** :– मैं फैक्ट्री का समर्थन करता हूॅ।

22. **श्री राधेश्याम, ग्राम–सिलपहरी** :– मैं कंपनी के समर्थन में हूॅ।

23. **श्री महेश पटेल, ग्राम–धूमा, पटेल समाज अध्यक्ष** :– फैक्ट्री खुलना चाहिए। रोड जरूरी है बनना, रोड नई बन पावत हे, परेशानी बहुत हो रहा है। 2009 में जीवराखन पटेल के दुर्घटना हो गये रहीस, जब राधे इण्डस्ट्रीज खुले रहीस तो। ओखरी गाडी में कोयला ले के आये रहीस तो मृत्यु हो गये रहीस। 2012 में सिलपहरी में एक लड़की पढे जाथ रहीस हे शंकर नगर, वोई गाडी से ही हाईवा बडे गाडी से दुर्घटना से ओखर मृत्यु हो गईस हे। मैं चाहत हव फैक्ट्री के पूर्ण समर्थन है बनय, लेकिन ओखर साथ–साथ में रोड़ के बढिया से बना के रखे जेमा चौडीकरण होये आये जाये मा कोई किसान मन ला दिक्कत न होये। हमर गांव सिलपहरी गांव टोटल किसान गांव है। जेमा सब्जी–भाजी लगाथे आदमी मन। ढेली आना–जाना चलथे फाटक से होथे। रोड हा सकरा हे आये दिन दुर्घटना होथे। मैं राधे कंपनी के मालिक से आग्रह करता हूॅ कि बिल्कुल रोड़ के लिए विशेष ध्यान देवय। हमर धूमा गांव ला गोद लेवय ताकि हमर धूमा गांव क उन्नती हो सकय। रोड़ पानी के लिए, नाली के लिए, कुछ भवन है उसके निर्माण के लिए, पानी के लिए, भवन बर आगे आवए और हमार गांव के लिए विशेष सहायता दे।

24. **श्री चेतन कुर्रे, ग्राम–धूमा** :–समर्थन करता हूॅ।

25. **श्री राजकुमार पटेल, ग्राम–सिलपहरी** :– मैं अग्रवाल स्ट्रक्चर का समर्थन करता हूॅ।

26. **श्री जितेन्द्र यादव, ग्राम–बसिया** :– मैं इस कंपनी से बहुत खुश हूॅ। जो सभी को यहां काम–वाम मिलेगा। मैं भी अभी काम नहीं कर रहा हूॅ। वही आ के करूंगा अभी। वही से कोरमी–बसिया से गाड़ी वहीं से आता है। इधर से तो आता नहीं। कंपनी का जितना गाडी आना है। अभी वहां पुल में गाड़ी घुसेढ दिया हैं, वहीं रात में गाडी ठोक–ठाक दिया है। गाडी वहीं पढा है। जितना भी गाडी आना है वही से कोरमी–बसिया से आता है इधर से तो आता नहीं है। आना है कोरमी–बसिया से, और हरदी भी नहीं जाता है गाड़ी। उसको बस यही से मुडना है। वहां कुछ बनवा–वनवा देना।

27. **श्री मानिकपुरी, ग्राम–धूमा** :–हमन किसान आदमी हन। गाडी आथे तो थोडा बहुत धूल– धक्कड जमथे। थोडा मोडा परेशानी होथे, बाकि खुश हन हम। भाई मन ला काम मिलथे। ये मन से खुश हन कि हमर भाई मन ला जो बेरोजगार हे रोजगार मिले। हमन धूमा गांव से समर्थन दे थन।

28. **श्री रामदेव पटेल, ग्राम–सिलपहरी** :–फैक्ट्री के लिए सहमत देता हूॅ।

29. **श्री सुदर्शन कुर्रे, ग्राम पंचायत धूमा** :–मैं कंपनी का समर्थन करथव हूॅ।

30. **श्री रविदास मानिकपुरी, ग्राम–पोढी** :–समर्थन देथव।

31. **श्री दिलीप, ग्राम–सिलपहरी** :–मैं समर्थन देथव।

32. **श्री दिलीप पटेल, ग्राम–सिलपहरी** :–समर्थन।

33. **श्री रामचंद्र, ग्राम–महमंद** :– मैं समर्थन देता हूॅ।

34. **श्री रोहित विश्वकर्मा, ग्राम–रामबोड़** :–मैं समर्थन करता हूॅ।

35. **श्री बैजूराम, ग्राम–बसिया** :– मैं अग्रवाल के यहां 5 साल से काम कर रहा हूॅ, वहां से मेरे को बहुत अच्छा लग रहा है। सबचीज के लिए बहुत अच्छा है। इसको मैं समर्थन देता हूॅ।

36. **श्री शत्रुहन यादव, ग्राम–सिलपहरी** :–इस फैक्ट्री को समर्थन दे रहा हूॅ।

37. **श्री राजकमल, ग्राम–मगलूछरा** :–अग्रवाल स्ट्रक्चर को समर्थन देता हूॅ।

38. **श्री किशोर कुमार, ग्राम–पोढ़ी** :–समर्थन है।

39. **श्री दीपक लहरे, ग्राम–कोरमी** :– अग्रवाल स्ट्रक्चर का सहमत करता हूॅ।

40. **श्री प्रमोद कौशिक, ग्राम–** :– अग्रवाल स्ट्रक्चर को समर्थन करता हूॅ।

41. **श्री अजय दुबे, ग्राम–बिलासपुर** :– अग्रवाल स्ट्रक्चर का समर्थन करता हूॅ।

42. **श्री अमरजीत धीरज, ग्राम–सिलपहरी** :– अग्रवाल स्ट्रक्चर को समर्थन दे रहा हूॅ।

43. **श्री भगवती प्रसाद पटेल, ग्राम–धूमा** :– अभी जो इण्डस्ट्री लग गई है और जो लग रही है। उनसे आसपास के जो गांव है किसान है, सब्जी का खेती करते है। उसमें प्रदूषण का बहुत ज्यादा प्रभाव पड रहा है। पौधा है जो विकसित नहीं हो पा रहा है। फसल कुछ हो ही रहा है। डस्ट के कारण उसमें जा के जम जा रहा है। गोभी जो है सफेद होता है। आप सभी लोग जानते है लेकिन डस्ट के कारण वो काला दिखाई रहा है। मार्केट में ले जाने से रेट भी नहीं मिलता है। ये बहुत बडी समस्या है। आप सभी लोग इस बात को जानते हो कि पौधो को खाना बनाने के लिए प्रकाश संश्लेषण की जरूवत होती है। लेकिन आसपास में जो खेती कर रहे है उससे कष्ट बढ जा रहा है। पत्ते में इससे भोजन बना नहीं पा रहा है। विकसित अच्छे से नहीं हो पा रहा है। जिससे खेती में प्रभावित हो रहा है और किसान परेशान है। दूसरी समस्या किसान अगर सब्जी उगा लिया है। तो मार्केट में लाने ले जाने में बहुत बड़ी समस्या है। फैक्ट्री में जो बड़ी–बड़ी गाड़िया चल रही है। 8 फीट का रोड है। वहां पर बड़ी–बड़ी हाईवा चल रही है। जिससे छोटे–छोटे बच्चे है किसान है। बाईक में समान लाद के पीछे ले जाते है और ये बहुत बड़ी समस्या है। उसके लिए शासन–प्रशासन से अनुरोध है कि सड़क चौडीकरण रखे, या बनाये, या व्यवस्था करें। अगर नहीं होती है तो दुर्घटना छोटे–छोटे बच्चे स्कूल जाते है। इण्डस्ट्रीज लगने से हम लोगों को

बहुत सारी परेशानी का सामना करना पडता है और जो लोकल आदमी है किसान और देहाती मजदूर है। खेती ढंग से नहीं हो पा रही है। इससे उनको रोजगार भी नहीं मिल रहा है। वो बेरोजगार हो रहे है। अगर इण्डस्टीज आसपास में लगी है तो प्राथमिकता स्थानीय लोगों को मिलना चाहिए। उनको रोजगार के अवसर हो, जिससे वो अपने जीविकापार्जन कर सकें और जितने भी इण्डस्ट्रीज लगी है। प्रदूषण के बारे में ध्यान दे। अपने विकास के बारे में ध्यान दे। ऐसा नहीं है अपने स्वार्थ के कारण शिविर तो लगा जरूर है बात तो बहुत बड़ी–बड़ी होगी और बहुत लोग अनुशासन देंगे। लेकिन हमको पता है कि कितनी परेशानियां हम लोग सह रहे है। स्थिति तो बहुत सड़क की जर्जर है। सड़क तो प्राथमिकता से बननी चाहिए। अगर नई बनेगी तो हम लोग कुछ दिन के बाद वहां पर आंदोलन करेंगे। कोई भी वाहन प्रवेश करने नहीं देगा और जो फैक्टी डस्ट उड रहा है और जा के खेत में डस्ट बैठ रहा है। बाउण्ड्री में या खेती में उसके लिए उचित उपयुक्त यंत्र जो आता होगा। उसका उपयोग करें। जिससे डस्ट जो है वो खेतो तक पहुंच न पाये। आगे की जो रणनीति बने इससे सभी के सहयोग से रणनीति बने। कारगार होना चाहिए। आज ठीक है हम लोगं के लिए व्यवस्था करेंगे। हम लोग आते–जाते है तो स्वास्थ में कितना प्रभाव पड़ा है। डस्ट रोड़ में फैला रहता है। आने जाने से इतना धूल उड़ता है। बड़ी–बड़ी जो वाहन चलती है उससे हम लोगों को स्वास्थ में भी परेशानी जा रही है। अभी बोलने से एकात दिन पानी डाल देते है। लेकिन यह तुरंत करने से नहीं होगा। उसको निरंतर करने की जरूवत हैं, अगर ये सब व्यवस्था हो। तभी ठीक है नही तो हमारे आसपास के गांव में बहुत बडी परेशानी है। आने वाले समय में और परेशानी होगी।

44. **श्री राजेन्द्र यादव, ग्राम–धूमा** :–मैं भगवती भाई का समर्थन करता हूॅ।

45. **श्री विष्णु केवट,** :– मैं अग्रवाल स्ट्रक्चर का समर्थन करथव। हमन किसान भाई मन ला बहुत दिक्कत आथे। जो भी है ऐखर गुण भी है, दोष भी है। हमर हरदी गांव मा आसपास के 20 किलोमीटर मजदूर मन कमाये आथे। घर में ओखर मजदूरी चलत हे। लेकिन बेचारा मन के खेती मा उतना फायदा नही होवत हे। सरकार मन पर्यावरण के बारे मा सोचय और हम गरीब मजदूर मन के बारे में भी सोचे। हमका कैसे आगे बढाना है। गरीब मन ला ले के चले। तो हमन दोनों के समर्थन करथन। अग्रवाल स्ट्रक्चर पर्यावरण के बारे में भी सोचे और उसके लिए

कोई कार्य करें। बहुत सी योजना लेकर आये हे। हमर बांधव मा करीब 10 हजार से ज्यादा पेड के वृक्षारोपण करे हे। लेकिन ओखर मा 10 पेड जिंदा बचे नही हे। लेकिन ओखर बारे में आज तक कुछ पता नहीं है। ऐखर बारे में सरकार कुछ योजना बनाऐगी। पर्यावरण के बारे में भी कुछ सोचे। और गरीब आदमी के मजदूरी के बारे में भी सोच के चले। हमर गरीब मन के बारे में ज्यादा सोचे, किसान मन के भी और पर्यावरण को लेकर चलना है और हमर मजदूरी भी। ताकि हमर घर परिवार सब चल सकय।

46. **श्री हेमन्त कौशिक,** :– अग्रवाल स्ट्रक्चर का मैं समथन करथव। सदा खडे रहथे प्लांट हा। बराबर समर्थन देथे। आसपास के जेतना गांव है समर्थन देथे।

47. **श्री बलराम पटेल, ग्राम–धूमा** :– अग्रवाल इण्डस्ट्रीज जो है उनके लिए एक बात रखना चाहता हूॅ। उसमें एक और बात है, इसमें जो अग्रवाल स्ट्रक्चर है जो उनके मालिक से निवेदन करना चाहूॅगा। उनका सडक जो बनाया गया है आने–जाने के लिए रास्ता, उस रास्ते से अपना वाहन लाये और ले जाये। ताकि यहां जितने किसान है, या पढने वाले स्टूडेन्ट है उनको कोई प्रकार की दिक्कत या तकलीफो का सामना करना न पडे। चूंकि आये दिन देखा जाता है उनकी जितनी भी गाड़ियां आती है एक दो ठोक नहीं, तीन गाडीयां एक साथ आती है और साईड नहीं देती है। अगर ऐसा नहीं हुआ तो हम लोग सब लोग मिलके रास्ते में चक्काजाम कर देंगे। चूंकि उनके लिए रास्ता औद्योगिक विभाग से बनाया गया है अभी तक आज तक अभी उसमें 2 दिन हुआ है। पानी स्ट्राट हुआ है। इसके लिए कहां था। विरोध करने की पारी आई जब उन लोग चालू किया गया। मैं उनसे निवेदन करना चाहूॅगा कि उनके लिए जो रास्ता बनया गया है। उसमें से अपना वाहन लाये और ले जाये, ताकि किसानो को या पढने वाले बच्चों को कोई प्रकार की दिक्कत व नुकसान का सामना न करना पडे। साथ में जो प्रदूषण हो रहा है। उनके लिए उचित मशीन लगाये या अच्छा सा कोई उपयोग संयंत्र बैठाये ताकि आसपास दस किसानों की भूमि है। उसको कोई प्रकार की उसको खेती करने में दिक्कत न हो।

48. हमारे गांव के जो भी सहयोगी है सज्जन लोग हमारे गांव में जो भी काम हो रहा है अग्रवाल स्ट्रक्चर बहुत बढिया काम कर रहा है। कोई भी गलत काम नहीं किया आज तक। हर आदमी के लिए, हर गरीब के लिए अच्छा काम किया है।

हमारे गांव के लिए हर उन्नती का काम कर रहा है। थोडा बहुत प्रॉबलम होता है, सब कंपनी में हो रहा है। ऐसी बात नहीं है कि बस अग्रवाल स्ट्रक्चर में हो रहा है। सब कंपनी में हो रहा है। हमारा अग्रवाल स्ट्रक्चर बहुत बढ़िया काम कर रहा है अभी तक, और करेंगे भी। ऐसी कोई बात नहीं हर काम अच्छे से करेंगे, और करवायेंगे भी। उसके लिए मैं बहुत अभारी हूॅ अग्रवाल स्ट्रक्चर का।

49. **सिलपहरी उद्योग संघ** :– जैसा कि आज ये आयोजित लोक सुनवाई का कार्यक्रम रखा गया है। छ.ग. शासन के द्वारा सिलपहरी औद्योगिक क्षेत्र में कुछ औद्योगिको कुछ प्लांट आबंटित किये थे। प्लांटों को आबंटित करते समय हमें पानी, बिजली, सडक एवं पर्यावरण का आश्वासन दिया गया था। ये सभी समस्याओं से आपको जुझना नहीं पढेगा। किन्तु प्लांट आबंटित होने के बाद हमने प्लाट लिया है। हम सिलपहरी में प्लांट लिया है। उसमें हमने ..... महसूस कर रहे है। हम किसी भी उद्योग के खिलाफ नहीं है। क्योंकि उद्योग हमारे देश प्रदेश के विकास के रूप में रहते है। ये उद्योग हमारे लोगों को रोजगार उपलब्ध कराने का माध्यम है। तो हम किसी भी उद्योग के खिलाफ नहीं है। लेकिन हम समस्याओं के खिलाफ आवाज हम रखेंगे। आज जैसा कि हमारे सिलपहरी औद्योगिक परिक्षेत्र में हमें कुछ लोगों को प्लांट किया गया है। ज्यादा से ज्यादा हमारा खाद्य औद्योगिक इकाईयों का स्थापना करनी है। लेकिन ये पर्यावरण के कारण ये इण्डस्ट्री को लगाने का विचार कर रहे है। प्रदूषण का बहुत बडा समस्या है इस क्षेत्र में। जैसा कि आज हमारे यहां लोक सुनवाई में सभी ने अपना–अपना पक्ष रखा है। बहुत ज्यादा विकराल समस्या है प्रदूषण की। प्रदूषण की समस्या के कारण हम लोग किसी भी प्रकार का कोई भी प्लानिंग नहीं कर पायेंगे। तो हम लोग छत्तीसगढ शासन से निवेदन करूंगा। इस समस्या को जल्द से जल्द दूर करने की व्यवस्था करें। और हम सिलपहरी के जितने भी लोगों को जमीन आबंटित करी गई है कि हम अपना उद्योग लगा सके।

50. **श्री सुखनंदन पटेल, ग्राम–सिलपहरी** :–अग्रवाल स्ट्रक्चर से मैं समर्थन हूॅ।

51. **श्री राजेश लहरे, ग्राम–हरदीकला** :– कंपनी से गुजारिश है कि सभी को रोजगार मिलेगा।

52. **श्री राकेश कुमार, ग्राम–कोरमी** :– मैं विरोध कर रहा हूॅ। हम लोग कोरमी वाले विरोध कर रहे है और शोर–शराबा, हो–हल्ला एवं बंद करो–बंद करो का नारा लगा रहे है, जितना धूल–धक्कड उड़ रहा है हमारे गांव में जा रहा है। पानी पीने लाईक है यहां। फसल नई हो पाता। तालाब में धूल–धक्कड़ जा रहा है। नहाये लाईक नई बचे हे तालाब। सर्वे कर सकत हस। किसान आदमी हव। गोभी बोये हव जा के देख सकत हस साहब। कंपनी नहीं खुलने देंगे और शोर–शराबा, हो–हल्ला एवं बंद करो–बंद करो का नारा लगा रहे है, हमन कंपनी का विरोध करते है, कोरमी गांव वाले, सहमत नहीं हन हमन। बंद करो, बंद करो, कंपनी बंद करो। गांव का तालाब जाकर देखों साहब। पूरा काला हो गया है।

53. मैं कोरमी वाले का समर्थन करता हूॅ। किसानो का क्या हाल है। जाकर देखे। बंद करो, बंद करो।

54. **श्री शिवनारायण पटेल, ग्राम–धूमा** :– जैसे अभी अमन भाई बोले अग्रवाल स्ट्रक्चर से हमे कोई प्रॉबलम नहीं हैं, पर हमें प्रॉबलम है। मैं एक किसान हूॅ। मैं अग्रवाल स्ट्रक्चर से 01 कि.मी. दूर में खेती किसानी करता हूॅ और मेरे को मालूम है कि वहां से कितना धूल, कितना ककण आता है। आप पास से जाकर देखोंगे तो जब तक पानी से सब्जी धोंगे नहीं, आप खा नहीं सकते। इतना बारीक कण यहां से जाता है। पर्यावरण का निवारण नहीं हो रहा है इतने साल तक अग्रवाल स्ट्रक्चर कंपनी के लोग इसका समर्थन करते है, आप किसान लोग कोई किसान अगर समर्थन करता है तो बोलो। सिर्फ आप को प्रॉबलम नहीं है, हमको भी प्रॉबलम है। चूंकि आप अपनी बेरोजगारी को देख रहे हो। भविष्य नहीं देख रहे हो। कल को किसान को कुछ प्रॉबलम होता है तो सबको होगा, क्योंकि किसान ही अन्न उगाता है। खाना खा रहे हो किसान के बदौलत खा रहे हो। क्योंकि एक किसान ही सब्जी उगाता है। किसान को कितना प्रॉब्लम हो रहा है। बडे से बडे कीटनाशक दवाई को अपनाना पड रहा है। आप लोग बोलते हो किसान दवाई ज्यादा डाल रहा है। क्यू नहीं डालेगा किसान ऐसा कंपनी रहेगा तो किसान को प्रॉबलम होगा ही, किसान को प्रॉबलम होगी ही। जब किसान को प्रॉबलम होगा तो आपको प्रॉबलम होगा ही। आप लोग समझ नहीं रहे है कि अग्रवाल स्ट्रक्चर क्या काम कर रहे है। जैसे अमन भाई कौशिक क्या अच्छा काम

किया है। ऐसा कोन सा काम कर दिया है जो संरक्षण कर रहे हो। किसान का बेटा हूॅ। आप क्या किसानी करते हो।

शोर–शराबा, हो–हल्ला हो रहा

55. **श्री संतोष कुरी धुरी, ग्राम–कोरमी** :–अतका कन स्पंज आयरन के प्लांट लगे हे। कोने हा बैग फिल्टर ला चालू नहीं करे हे। तेने हा प्रदूषण ला रोकते। तेने हा प्रदूषण ला बंद करके रख देथे। प्रदूषण कहां जाईही। वो तो फैलत है आसपास मा, सही मा प्रेक्ट्रीकल करना है तो सभी जन चलो। प्रदूषण है कि नहीं। जाकर एक बार सर्वे तो करीये साहाब।
शोर–शराबा, हो–हल्ला एवं बंद करो–बंद करो का नारा लगा रहे है,

56. **श्री प्रथम, ग्राम–सिलपहरी** :–मैं इस कंपनी का समर्थन करथव। इतना काम अग्रवाल स्ट्रक्चर करे हे, उतना काम कोई कंपनी नहीं करे है।
शोर–शराबा, हो–हल्ला हो रहा

57. **कर्मचारी** :– प्रदूषण को बहुत नुकसान हो रहा है। ऊपर में धुआं छोड़ रहा है उसमें बहुत नुकसान हो रहा है। बैग फिल्टर चलाना चाहिए। हमारे गांव को बहुत नुकसान हो रहा है। ये नई बोल रहा हूॅ प्लांट मत चलाओ, कंट्रोल में रख के चलाओं। समर्थन करता हूॅ प्लांट को सर, अग्रवाल स्ट्रक्चर से बोल रहा हूॅ।

58. **श्री उत्तम पटेल, ग्राम–सिलपहरी** :–मैं कंपनी का समर्थन करता हूॅ। राधे इण्डस्ट्रीज का।

59. **श्री करन सिंह धुव, ग्राम–सिलपहरी** :– मैं कंपनी का समर्थन करता हूॅ। क्या बोल रहे है विरोध कर रहे है। इतना दिन से कोई विरोध नहीं किया। आज क्यों कर रहे है विरोध कंपनी के लिए। सबका रोजी चल रहा है। उतन दिन से क्या कर रहे हो।

60. **श्री शंकर** :–मैं अग्रवाल स्ट्रक्चर का समर्थन करता हूॅ। हमेशा खडे रहता है तत्पर।

61. हम लोग मेहनत करके फसल उगाते है। फसल को नुकसान हो रहा है। किसान से पूछना ।

62. **श्रीमती मोहलिया पटेल, ग्राम–सिलपहरी** :– हम लोग गरीब आदमी कहां जायेंगे, बंद कर देगा तो कंपनी। हम लोग गरीब लोगों का रोजी रोजी कौन चलायेगा। किसान लोग तो बंद करो, बंद करो बोल रहे है। हम मजदूर लोग कहां जायेंगे। मजदूरी करेंगे तो तभी तो काम करके खाईंगे। हम समर्थन करथन।

63. **श्रीमती पउवा बाई, ग्राम–सिलपहरी** :– हमर खेती बाडी नहीं हे। क्या कमाबो सर।

64. **श्री देव कुमार ग्राम–कोरमी** :– मैं किसान भाई हूॅ। मेरा सब फसल खराब हो रहा है। मेरा फसल धोन के लिए आयेंगे बोलो। डस्ट उड रहा है कंपनी का। मैं विरोध करता हूं कंपनी का।

65. **श्री रजनीकांत पटेल, ग्राम–धूमा** :–मैं कंपनी का पूर्ण विरोध करना चाहता हूॅ भाई, साग–सब्जी मा पूरा डस्ट जम जाथे। गोभी काटत थस तो पूरा हाथ काला हो जावत थे।

66. **श्री प्रखर शुक्ला, ग्राम–धूमा** :–हमारे गांव में ग्राम सडक आई है। ऐसा कौन सा इण्डस्ट्रीयल एरिया में नियुक्ति हुआ है सर। ग्राम सड़क में इण्डस्ट्रीयल की गाडी चल रही है। ये सबसे पहले ये गलत बात है। इसी में हमारा गांव का पूरा रोड़ खराब हो गया। आज तक कोई डिपार्टमेंट नहीं आया, उसके लिए कोई बोलने नहीं आया यहां पर। पीडब्लूडी की सडक है यहां पर गांव में इतने साल से इतने साल से कोई बना नहीं रहा है इसको। यहां पर हमें इण्डस्ट्रीयल से कोई प्रॉबलम नहीं है। वो दायरे से आगे जा रहे है। हमारे गांव का गोखले नाला है उसको कुछ भी फेक रहे है उसमें केमिकल डाल रहे है। जो दायरा शासन ने दिया है। उसी में रहे, उसके आगे मत जाये। इण्डस्ट्रीज हमसे है, हम इण्डस्ट्रीज से नहीं। हमारे गांव में पीडब्लूडी की सडक आती है वो आज तक नहीं बनी। आम आदमी यहां खडा हो जायेगा तो उसको कोई कुछ नहीं कर सकता सर। हम लोग कोई बहस नहीं करना चाहते। हम किसी का विरोध नहीं कर रहे है। हमारी कुछ मांगे है वो पूरी होना चाहिए।

67. **श्री प्रकाश कुमार,** :–समर्थन करथव। सिलपहरी वाले को कोई प्रॉबलम नहीं है। बहुत कुछ काम कर रहे है। फैक्ट्री बनना चाहिए।

68. हमारी यहां इतनी फैक्ट्री है। हर 10 गांव में जाकर चेक कीजिए। यहां प्रदूषण की कितनी स्थिति में है। हमारी जिंदगी 10 साल कम हो गई है। 15 साल कम हो गई है। यहां 5 साल से 80 साल के बुड्डे और नौजवान दमा के शिकार हो रहे है। अपनी जिंदगी को आप देखीये। इण्डस्ट्रीयल एरिया को बंद कीजिये, 01 इण्डसस्ट्रीज को नहीं बोल रहा हूॅ। हर इण्डस्ट्रीज एरिया को बंद कीजिये यहां। ये हमारे लिए घातक है। हम जिंदा रहेंगे । तभी ये इण्डस्ट्रीयल एरिया जिंदा रहेगी। हम जिंदा नहीं रहेंगे तो काहे का इण्डस्ट्रीज एरिया। हमारी फसल है, मैं किसान हूॅ छोटा सा। तीन एकड़ का मालिक हूॅ मैं। हम लोग 1 घंटा काम करते है मैं 1 घंटा काम करके आया हूॅ। ये प्रदूषण का प्रयोग देख लिजीए। मैं काला कपडा पहन के आया हूॅ पहन के देख लिजीए। ये हर स्थिति में सिलपहरी, कोरमी का यही स्थिति हरदी का स्थिति है। ये हमारी जिंदगी के लिए घातक है। आपकी जिंदगी के लिए घातक है। आप उसको सोच करके सही फैसला दिजीए और हमको यहां अपनी जिंदगी चाहिए न कि फैक्ट्री चाहिए। भारत युक्त हमको प्रदूषण चाहिए।

69. **श्री आनंद मरावी, ग्राम–सिलपहरी** :–हमें सहमत है प्लांट बनने में।

70. **श्री रवि पटेल, ग्राम–सिलपहरी** :–अग्रवाल स्ट्रक्चर का समर्थन करता हूॅ।

71. **सरपंच** :–नया कंपनी खोलत हे समर्थन करथव।

72. **श्री विनय पटेल, ग्राम–उपसरपंच** :–ये फैक्ट्री किस आधार, नियम, शर्त से चल रहा है। ये मैं जानना चाहता हूॅ। फैक्ट्री के धुंव से जीव जन्तु, वनस्पति धूल डस्ट से खराब हो रहा है। हमको इस फैक्ट्री से विरोध नहीं करना है लेकिन इस का धूल, डस्ट आता है उसको कंट्रोल करें। ईएसपी मशीन चला के इसे कन्टीन्यू चलाना चाहिए और ये फैक्ट्री में सी.सी. रोड जो आता है सिलपहरी–धूमा रोड़ से, यहां पर बडा–बडा गाड़ी चलने एलाउ नहीं है। रोड में 1 टन का केपिसिटी है, उसमें 5 टन का माल लेजाते हे। यहां जो बडा–बडा हाईवा चलता है ये सारी फैक्ट्री जिम्मेदार है। गाड़ी है सारी बडी–बडी फैक्ट्री

का कोरमी–बसिया से चलाये। अन्यथा हम लोग रोड़ को जाम करेंगे। ये फैक्ट्री है इसमें नाम मात्र का ईएसपी मशीन लगा बोलता है, ईएसपी मशीन चालू नहीं करता है। आज जो डस्ट है नुकसान किसानो को नहीं होता। इसमें वन, जीव–जन्तु, वनस्पति सारी चीज इसमें नुकसान हो रहा है। ठीक है फैक्ट्री है हमारा विकास है सबको पता है। इसका क्या शर्त नियम होना चाहिए। इसमे कानून का विशेष ध्यान देना चाहिए। हर महीने इसको ध्यान में रखते हुए इसको चेक करना चाहिए। ये जो डस्ट है ना 60 से 70 साल के मानव का एक ऐज लीमिट है। जो 50 साल में कम्पलीट होकर खत्म हो जा रहा है। आज जो बोल रहे है ना जितने फैक्ट्री में कर्मचारी लगे हुए है। आज जो इनका समर्थन कर रहा है। क्योंकि आज जो इनका वेतन है 200 के जगह 400 वेतन है। क्या दिया पहले दारू, पहले से पंचायत को दे दिया फंण्ड सरपंच और सचिव को घोषणा के विरूद्व होते है। क्यों आता है किसी के पास वोट मांगने के लिए। छत्तीसगढ इतना भष्ट हैं इसको नहीं सुधारने में कहीं से भी आ जाये। इसको नहीं सुधार सकते सिर्फ योगी ही सुधार सकते है। इतना भष्ट है इतना गंदा स्थिति है। आज लईका मन 10 वी, 12 वी के काम तो हो नई पावत हे। सिर्फ 10 वीं तक है 12 वीं तक नहीं है। हमन जाथन तो 10 फीट के रोड हे। 10 फीट के तो हाईवा चलत हे 12 फीट के सोचे के बात है। 4 टन के केपिसिटी है 10 टन के माल लेवत हे। आज किसान सब्जी जाथे 2 क्वींटल माल ले के वोमा जाये मा इतना परेशानी दिक्कत होवत हे। खंबा ला उखाउ के फेक दिस कुछ पैसा के चक्कर मा। और गाडी हमर रोड से चालू हो गये हे। लईका मन जाथे 12 फीट के गाडी चलत हे। ऐमा बहुत दिक्कत होवत हे कीचड बरसात में दिक्कत होवत हे। जो पहने हे यूनिफार्म वो गंदा हो जावत हे। वोमा जाये मा दिक्कत होवत हे तो उस दिन छुट्टी मार दिन। ऐतका गाडी हमन थोडी रोकत रहन ऐतका पिचकाट होवत हे। वोका अपन मा मस्त मगन हे भैया वो तो 12 फीट के गाडी निकल जाईही हमन सोचबो हमन पेरबो वो हमला ही पेर देही। ऐसने स्थिति है मैं चाहत हव ये रोड मा जितना फैक्ट्री है गाडी चलही, लेकिन रोड ला मरम्मत करावा। हर स्थिति मे एक दिन तीन बार पानी तराई करावा। दो दिन पहले मैं जा के मालिक ला बोले हवव तो पानी तराई करे हे। वो हू 4 बजे शाम के पानी तराई करत रहीस हे। वो करे के समय सुबह 8 बजे से 4 बजे तक तीन बार पानी तराई करा। जिखर मन से धूल डस्ट कम होही। सरकार तो अंधा हो गये है गौठान के चक्कर मा। कोई रोड ला नहीं सुधार सकत हे। और कभी जिते भी नहीं ये वादा मैं करत हव। मोर बोले के उददेश्य

ये ही है कि तत्काल रोड का मिलकर बनाये। काहे कि ये जो फैक्ट्री है ये जो 10–10 लाख पंचायत मा खर्चा करे हे। एक पंचायत मा ओखर ला ये 10 लाख चंदा करके लगातिस। 5 कि.मी. के ये रोड एकदम स्पेशल रोड व्हीआईपी रोड बन जातीस। और ऐमा सब खुश रहतीस। फैक्ट्री वाले मन हो 8 घंटे के बजाय 12 घंटा, 14 घंटा ड्यूटी लेथे। ओखर मजदूरी क्या देथें। 250/– या ज्यादा से ज्यादा 300/– वोखर स्टीमेंट क्या है जैसा काम करही वैसे पैसा देही। आज प्रधानमंत्री बोले हे 8 घंआ करो, या 12 घंटा ओखर हिसाब से पैसा लो। वेतन ला भी बढाओ। न तो 400 से 500 रोजी होना चाहिए। एक झन बोलथे तो पूरा ग्रुप ला काम से निकाल देथे। वोला काम नहीं देवय। ये जो 5 कि.मी. के अंदर सारी फैक्ट्री आथे हर गांव के मन ला कर्मचारी/अधिकारी यहां जॉब देवय सही ढंग से वोला उमन के वेतन ला देवय। काबर की इमन ला पेमैंट नहीं मिलत हे कहां जायही। सरपंच मन ला बोलथे भैया हमन के पेमैंट नहीं देवत हे। आज भी मोर गांव में एक आदमी है। कोई फैक्ट्री मा काम करे है 16 दिन के फैक्ट्री पैसा नहीं दिये हे। मैं बोले चल जाहू तोर फैक्ट्री पैसा मैं दिवाहू चल। ऐसनहा हो गये आदमी मन सिर्फ काम करे जानही, किसान ला मारे ला जानही किसान ला नई देथे पैसा। सिर्फ सरपंच, उपसरपंच ला बुलाते और उमन जा के पेमैंट नई होवत हे। हमन जाकर ओखर पैमेंट ला दिलाथे। मोर आग्रह है बाहर ला नई देके, आज सारे यूपी, बिहार, एमपी मन ला जीएम बनाये हे, यहां बडे–बडे अधिकारी बनाये हे। बडे–बडे कर्मचारी बनाये हे। हमर गांव मा नहीं हवय क्या ये जा पांच गांव है। 5 कि.मी. के अंदर नई पढे लिखे है क्या। यहां मन के आदमीमन ला जॉब देवा। बिल्कुल 8 घंटे ड्यूटी लेव और सही पैमेंट देव।

73. **श्रीमती किरण** :–राधे कंपनी बनना चाहिए। कंपनी कभी बंद नहीं होना चाहिए। नया खुलना चाहिए।

74. **श्री नीता यादव, ग्राम–सिलपहरी** :–राधे कंपनी कभी बंद नहीं होना चाहिए। हजारो हमारे गांव के यहां उसी में जीवीत है।

75. **श्री भरत पटेल, ग्राम–धूमा** :– मैं फैक्ट्री का विरोध नहीं करत हव। क्योंकि ऐखर नियम, कानून, पर्यावरण प्रदूषण हे। वो सब ला पालन करें ना। वृक्षारोपण के सब कुछ तो दिखत हे ओखर बाद भी कुछ नहीं करें फैक्ट्री, रोड़ दिखत है, प्रदूषण दिखत हे फिर कुछ नहीं करत हे, कुछ नहीं। पर्यावरण प्रदूषण है कोई एक भी

पेड पौधे फैक्ट्री मा नहीं लगे हे। कुछ नहीं है सबके सब ऐसनहे पढे हुए है। सिलपहरी वाला मन ला क्या विकास दिखत हे। कौने पता नहीं है। फैक्ट्री तो सब ला रोजगार देवत हे। लेकिन रोजगार के साथ–साथ नियम के पालन के भी तो कोई चीज होवत होही। कुछ भी नहीं होवत हे जो गव्हमेंट के रूल है। ओला फालो करे काम ला आगे करें। नियम के पालन नहीं करही तो विरो है भाई। नियम के पालन नहीं करही तो ओखर फैक्ट्री के विरोध मा हव।

76. **श्री बोधीराम पाल, ग्राम–सिलपहरी** :– किसानी करथन। बेरोजगार है। फैक्ट्री के सहारे से अपन जीवन यापन करथे। तो फैक्ट्री बंद नहीं होना चाहिए। ब्लकि कंपनी है जो डस्ट उड रहा है बिल्कुल बंद हो जाना चाहिए। क्योकि काला डस्ट नुकसान करत है। फैक्ट्री बंद नहीं होना चाहिए। जितना हो सके छोटा–छोटा फैक्ट्री लगना चाहिए।

77. **श्री संजू कुमार नायक, ग्राम–दमांतपारा** :–कंपनी का समर्थन करता हूॅ।

78. **श्री मेलाराम पटेल, ग्राम–सिलपहरी** :– कंपनी का समर्थन करता हूॅ।

79. **श्री अजय दास, ग्राम–दमांतपारा** :– कंपनी का समर्थन करता हूॅ।

80. **श्री रमेश साहू, ग्राम–सिलपहरी** :– मैं इस अग्रवाल स्ट्रक्चर कंपनी का समर्थन करता हूॅ।

81. **श्री छोटू पटेल, ग्राम–** :– कंपनी का समर्थन करता हूॅ।

82. **श्री विष्णु, ग्राम–सिलपहरी** :– अग्रवल स्टक्चर में समर्थन करता हूॅ।

83. **श्री सूरज बाटवे, ग्राम–हरदी** :–राधे अग्रवाल का समर्थन करता हू। आप लोग जहा से आ जा रहे हो रास्ता का।

84. **श्री विष्णुपाल,** :–राधे इण्डस्ट्रीज का समर्थन करता हूॅ।

85. **श्री कश्यप, ग्राम–सिलपहरी** :–अग्रवाल फैक्टी को समर्थन करता हूॅ।

86. **श्री बन्टूपाल, ग्राम–सिलपहरी** :–समर्थन करता हूॅ।

87. **श्री योगेन्द्र पाल, ग्राम–सिलपहरी** :– सिर्फ प्रदूषण को रोकना चाहता हूॅ।

88. **श्री सेवकदास, ग्राम–सिलपहरी** :–अग्रवाल स्ट्रक्चर को इतना दिन हो गया है बने सब फैक्ट्री से ज्यादा प्रदूषण है। प्रदूषण की में जनधन की क्षति होती है। छोटा सा रोड़ है। छोटे–छोटे बच्चो को स्कूल में आने–जाने में परेशान होती है। जितना भी रोड है फैक्ट्री के लाईन में गाडी जाता है वो रोड में चलने के लाईक नहीं है। कितना आदमी गिर के विकलांग हो जाता है, आज तक प्रदूषण को कोई ध्यान नहीं देता है। इसलिए जितना भी फैक्ट्री है उसमें प्रदषण को रोका जाये।

89. **श्री गोविंद यादव, ग्राम–सिलपहरी** :– मैं अग्रवाल स्ट्रक्चर फैक्ट्री को पूर्ण समर्थन करता हूॅ। हमारे जितने भी महामाया समिति और जितने भी पढे लिखे है उनके तरफ से मैं समर्थन करता हूॅ।

90. **श्री दिलीप पटेल, ग्राम–सिलपहरी** :–अग्रवाल स्ट्रक्चर कंपनी का समर्थन करता हूॅ।

91. **श्री होरीलाल पटेल, ग्राम–सिलपहरी** :– अग्रवाल स्ट्रक्चर का समर्थन करता हूॅ।

92. **श्री सुशील पटेल, ग्राम–सिलपहरी** :– अग्रवाल स्ट्रक्चर का समर्थन करता हूॅ।

93. **श्री मनहरण, ग्राम–हरदीकला** :– धुआं के नाम से बंद करना है।

94. **श्रीमती जलेश्वर, ग्राम–सिलपहरी** :–हमर भवन बनाना चाहिए, रोड बनाना चाहिए। धूला माटी में लईकामन जात हे। खेलत कूदत हे। भवन बनना चाहिए। पानी के तकलीफ है।

95. रोड बनना चाहिए। भवन बनना चाहिए। बहुत कीचड हो रहा है। पानी नहीं है।

96. **श्रीमती मुंगेसिया, ग्राम–सिलपहरी** :–हमन सियान मन ला फैक्ट्री मा काम बूता मा रखना चाहिए। 4 दिन करवा लेथे, 4 दिन छुट्टी दे देथे। हमन बता थन पानी वानी सब के व्यवस्था होना चाहिए। मोहल्ला मा चेता थन भाई पॉव पढत थन भाई तुम्हर पानी बर हमन बहुत तकलीफ पा थन भाई।

97. **श्री विनय, ग्राम–सिलपहरी** :–मैं समर्थन करता हूॅ।

98. **श्री रंजीत सूर्यवंशी, ग्राम–बसिया** :–ये अग्रवाल स्ट्रक्चर बहुत अच्छा प्लांट है। सबको रोजी पर ध्यान देता है।

99. **श्री सुनील साहू, युवा कांग्रेस अध्यक्ष, ग्राम–बिल्हा विधानसभा** :– कुछ–कुछ लोगों को 500–700 रूपये देकर कह रहे है इसको चलने दो। अभी कुछ दिन पहले करोना वॉयरस आया था इतने लोगो को ध्यान दिये थे। यहां पे हॉस्पिटल खोलना चाहिए था हॉस्पिटल खोलिये। भाई लोागों को टीबी का दुनियादारी का बीमारी हो रहा है। कृषि हमारा खराब हो रहा है। बाकी चीजों को कौन क्या करेगा। 500 कुछ लोगो दे देंगें व ग्राम पंचायतों दे देते है। फिर खोल लेंगे ऐसा थोडी होता है।

100. **श्री जय किसन यादव, युवा कांग्रेस ग्रामीण अध्यक्ष** :–यहां सब गांव वालो को 500 देकर। गांव में प्रदूषण इतना फैला हुआ है। नया–नया फिर यहां से कर रहे है इन लोगो को। इसको बंद करना होगा भईया। यहां प्रदूषण इतना फैला ग्राम वाले को देख रहे है सब यहां 500–500 रूपये देकर सब कर लिया है।

101. **श्री तिजराम यादव**, **ग्राम–सिलपहरी** :– प्लांट से कोई दिक्कत नहीं है प्लांट चलेगा तो सबको रोजगार मिलेगा। इसलिए मैं अग्रवाल स्ट्रक्चर को समर्थन करता हूॅ।

102. **श्री जिशान अहमत, ग्राम धूमा** :–अग्रवाल स्ट्रक्चर का समर्थन करता हूॅ।

103. **रवि शुक्ला ब्लॉक अध्यक्ष कांग्रेस** :– आप नया फैक्ट्री खोल रहे है हमें कोई आपत्ति नहीं है। उनके साथ काम कराने के सारे उपकरण और किसान भाईयो के लिए पर्यावरण का ध्यान में रखे, जिससे मजदूरो की समस्या भी दूर हो।

104. **धनेश्वर पटेल धूमा** :–अग्रवाल स्ट्रक्चर फैक्ट्री है इससे हमे बहुत सारी परेशानी हो रही है। और जो सिलपहरी के लोग फैक्ट्री का समर्थन कर रहे है। यही लोग हमारे ग्राम में जाकर पानी भरते थे। पानी दूषित होता है। सिलपहरी के फैक्ट्री से पानी दूषित होता है। इसीलिए हमारे गांव में जाकर पानी भरते है। ये सारे लोग हमारे विरोध में समर्थन कर रहे है फैक्ट्री का। इसलिए मैं बोलना चाहता हूॅ कल से पानी भरने न जाये। उचित पानी का वयवस्था करीये, फैक्ट्री चलाईये। हमें कोनो दिक्कत नहीं है फैक्ट्री से। परंतु नियम कानून से चलाईये चिमनी को उंचा से उंचा करे। ब्लकि किसी को पर्यावरण से नुकसान न हो। इसलिए मैं इसका पूर्ण विरोध करता हूॅ।

105. **श्री बेदराम साहू :–** अग्रवाल स्ट्रक्चर का समर्थन करता हूॅ। युवा बेराजगारो को यहां से रोजगार प्राप्त होता है। इसलिए मैं इसका समर्थन करता हूॅ।

106. **श्री धर्मपाल पाटले** :– उद्योग का समर्थन करता हूॅ इससे लोगों को रोजगार मिलता है। कहना को हमारा गांव शहर से लगा हुआ है। लेकिन सुविधा के नाम से जीरो है। बिलासपुर रोड है जो बिलासपुर 22 कि.मी. की दूरी पर हैं करीबन 60 साल पुरानी रोड है। इस रोड की चौडीकरण अभी तक नहीं हो पाया हैं इस रोड में हमारे छोटे–छोटे बच्चे, किसान भाई लोग अपना सब्जी–भाजी लेकर जाते है और बहुत परेशानी होता है। बड़े–बड़े हाईवा चलती है। इण्डस्ट्रीयल के कारण जिससे हमारे छोटे–छोटे बच्चे पढने जाते है। मॉ–बाप के दिल में एक डर समाया रहता है। हमारे बच्चे के साथ कही अनहोनी न हो जाये। ऐसा डर लगा रहता है जब तक बच्चे नहीं आते। तब तक मॉ–बा पके मन में भय समाया रहता है। रोड की चौडीकरण जरूरी है। जल्दी से जल्दी सड़क को चौड़ीकरण करने की कृपा करें।

107. **श्री तरूण पटेल, ग्राम–धूमा** :– आप सब तो जानते है कि फैक्टी से कितना प्रदूषण फैल रहा है। लेकिन ये हमारे बिलासपुर के अधिकारी लोग कुछ नहीं कर रहे है। किसान के उगाये हुये फसल से अपना पेट पाल रहे है। अपने परिवार को पालते एवं खिलाते है। ये फैक्टी बंद नहीं होगा तो हमारा जीना मुश्किल हो जायेगा। इसलिए मेरा निवेदन है कि फैक्टी को बंद करवा दीजिए।

108. श्री धरमू पटेल, ग्राम–सिलपहरी :'– अग्रवाल स्ट्रक्चर से सहमत हूॅ। पर रोड़ में धूल धडक्का उड रहा है। पानी का व्यवस्था नहीं हो रहा है।

109. श्री अजीत खाण्डे, सिलपहरी :– रोड, सड़ को आप बनाइये और पॉलुशन को रोकिये। पॉलुशन फैले ईएसपी लगाओ। सब रूक जायेगा सर, इसी को रोकीये। पॉलुशन को रोकिये उसके बाद कोई प्रॉब्लम नहीं रहेगा।

110. श्री कृष्ण कुमार कौशिक, ग्राम–हरदीकला :– ये जितना भी डस्ट आ रहा है। उससे खाने में, घर में काला डस्ट पड रहा है। उससे हम लोग को बहुत ही क्षति पहुंच रहा है। इस क्षति को बंद करने के लिए कोई ठोस साधन उपाये अपनाये।

111. श्री दिनेश कुमार, ग्राम–सिलपहरी :–एनओसी मिले से पहली क्या–क्या कंडीशन रहीथे। जेकर से फैक्ट्री मा एनओसी दिये जाथे। अधिकारी मन कृपा करके मोला बता देतीन। थोडा जानकारी हो जातीस। पूर्णत विरोध कर रहा हूॅ इसलिए विरोध कर रहा हूॅ लगभग सिलपहरी में आज प्लांट 15 से 20 साल तक खुला हुआ है। सिलपहरी का क्या चीज का विकास हुआ है। ऐसा क्या–क्या विकास किये है सिलपहरी में अभी कुछ जानकारी दे सकते है आप लोग सर, क्या कोई फैक्ट्री वाले दे सकते है। मैं पूर्णता विरोध करता हूॅ फैक्ट्री नहीं खुलना चाहिए और आगे भी नहीं खुलना चाहिए।

112. श्री अनिल कुमार कौशिक, ग्राम–सिलपहरी :– प्रदूषण रोकना, क्या आपने आज प्रदूषण रोका है रोका है तो यहां से जाकर देखो। कुछ दूरी पर मेरा खेत है। वहां बहुत प्रदूषण है। आप व्हाई शर्ट पहने है वहां से काला होकर आयेगा। और जो हम लोग 30 क्वींटल धान उगाते थे। वो 20 क्वींटल हो रहा चाहे जितना खाद्य डालो। क्या इस पर आप हमारे धान की नुकसान की भरपाई करेंगे। करेगें तो हम उसका समर्थन करेंगे और नहीं करोगे तो उसका हम विरोध करते है। हम पूरा किसान के तरफ से विरोध करते है।

113. श्री शुभम कौशिक, ग्राम–हरदीकला :–जो समर्थन कर रहा है उसको आने दे रहे है। विरोध कर रहा है उसको पुलिस प्रशासन बाहर से भगा दे रहा है। ऐसा क्यो

हो रहा है। विरोध वाले का विरोध क्यू कर रहे है। चंद पैसे में बिक गये है या कुछ और है।

114. **श्री नरोत्तम मधुकर, ग्राम–सिलपहरी** :– छत्तीसगढ में आयरन कोयला जो बहार जात रहीस हे। आज ओ चीज ला अजीत जोगी रोक के देश के छत्तीसगढ के उन्नति के कारण ये फैक्ट्री खोलाये है ये मजदूर के लिए। ये जो प्रदूषण है उसको थोडा रोका जाये, ध्यान दिया जाये। दे राधे कंपनी खुलना चाहिए।

115. **श्री आशाराम बंजारे, ग्राम–हरदीकला, बहुजन के महासचिव** :–हमारे बीच नन्हा मुन्ना बच्चा बोल के गया है। मेरे जवान हो, युवा साथियों हो, माता–बहन बैठे हुये है अपने मान सम्मान के लडाई लडके के लिए हक के लिए डरते हो। आप लोग डरते हो, आप लोग जानते हो बडे आदमी का कुछ नहीं बिगाड सकते है। वो हम लोग का सब चीज बिगाड सकता है। हम किसान बेटा है प्रदूषण से प्रदूषित है और यहां चल के देखे। हमारे खार में ऐसा पैदल चल के बता दे। तालाब देख ले, घर देख ले, हमारा बेज्जती कर रहे है। क्या निराकरण किये हैं इस बात की ठोस कदम उठना चाहिए। हम अपने सम्मान की लडाई लड रहे है। आपका ही आदमी बैठा है। हमारा गरीब लोग नहीं बैठा है। भविष्य में किसका सरकार बनेगा। ये आप सब को पता चल जायेगा। हम आपसे यही निवेदन कर रहे है हमारा व्यवस्था देखना चाहिए। हम इतने बडे गांव हरदीकला में रहते है। हमारे गांव का नाम नहीं होता, ये जमीन में कहां आप बैठे है। ये हरदीकला का जमीन हैं हरदीकला का वेल्यु नहीं है। कोई सम्मान नहीं है। किसान विरोधी करने आ रहे है उसको रोका जा रहा है। हम आप से नहीं लड सकते आप पैसा वाले है। आपको पता चल जायेगा। हम गरीब मजदूर का विरोध नहीं कर रहे है। हम सब आपके सम्मान का लडाई लड रहे है। लेकिन सम्मान क्या चीज है ये नहीं समझ रहे है। क्या दिया है अभी तक के भाई। इतना सारा फैक्ट्री खुला है अपने नाम से रोड बनाया है। कौन सा तालाब बनाया है कौन सा मंदिर बनाया है। आम आदमी को पैसा दे के खरीद रहा है। लोगों को खरीद रहा है रोजी–रोजगार का मजाक उडा रहा है। शर्म आना चाहिए इनको इस शर्म को बंद करना चाहिए। हमारी गांव को समर्थन के ओर ले जाने की कार्य करेंगे। हमारी गांव की व्यवस्था बिल्कुल होनी चाहिए।

116. **श्री नितिश भार्गव, सिलपहरी :**–अग्रवाल स्ट्रक्चर को समर्थन करता हूॅ।

117. श्री मन्नू यादव, ग्राम–सिलपहरी :– मैं किलन विस्तार का आयरन किया गया है। समर्थन करता हू। रोड़ को जल्द से जल्द बनवाये। प्रदूषण रोकने का यंत्र लगाये व रोकने का आदेश दे। बीच बीच में आकर छापा करें। कंपनी वाले उल्लंघन करता है।

118. **श्री निक्कू सुमन, ग्राम–मोहतरा** :–मैं विरोध करता हूँ। नहीं खुलना चाहिए।

119. **श्री सहेश सुमन, ग्राम–मोहतरा** :– मैं विरोध करता हूँ कि ये प्लांट नहीं खुलना चाहिए।

120. **श्री भूपेन्द्र भोसले, ग्राम–मोहतरा, आम आदमी पार्टी** :– मैं चाहता हूँ कि ये मत खुले। इसके खुलने से प्रदूषण बढ ही रहा है। हमारे बेरोजगार है उनको रोजगार भी नहीं दे रहा है। दे भी रहे है 12 घंटा से 8 घंटे की ड्यूटी 12 घंटा करते है। पैसा भी ऐसे देते है जैस खैरात में दे रहे है भीख मांग रहे हे। पैसा सही होना चाहिए। मैं बोलूंगा कि सब फैक्ट्री बंद होना चाहिए। रोजगार तो दे नहीं रहे है बस लूट रहे है।

121. **श्री विश्वजीत, ग्राम–मोहतरा** :– ये जो प्लांट खुलत है ऐखर साफ सुथरा सब ला दिखत हे प्रदूषण, बाहर मो खडा हो के देख लो पूरा पेड–पौधा पूरा प्रदूषण हैं। आने वाला ला दिक्कत होथे। रोजगार मिलही बोलत है। रोजगार काहे को मिलही बोलत हे। बाहरी आदमी मन काम करत हे, काम से हटा दिये जाथे। 8 घंटे की ड्यूटी से 12 घंटा की ड्यूटी मा काम करत हे। रोजी जो भी है ओखर 400 मिलना चाहिए वो नहीं मिलत हे, ठेकेदारी मा चलत हे प्लांट। गार्ड के नौकरी जे–जे काम करत हे सब ठेकेदारी मा करत हे। ये जो खुलत हे प्लांट ऐमा युवक कांग्रेस संपूर्ण रूप से विरोध करत हे। कि प्लांट खुलना नहीं चाहिए। बडे–बडे नेता ला सहयोग करके ये सब कुछ सहयोग के बाहर मा अंदर नहीं जाने देवत हे। बार–बार बोल रहा हूँ ये जन सुनवाई स्थगित करें। मोर हिसाब से तो प्लांट तो खुलना नहीं चाहिए।

122. **श्री हरवंश सिहं** :– मोर तरफ से समर्थन है। फैक्टी खुलना चाहिए।

123. **श्री राजू मानिकपुरी, ग्राम–पोंडी** :– फैक्टी के लिए मोला समर्थन है।

124. श्रीमती उषा कश्यप :– अग्रवाल कंपनी मा समर्थन है।

125. अग्रवाल कंपनी मा समर्थन है।

126. श्रीमती संतोषी यादव :– हमर हरदी मा भैया रोड वोड बनावा दे भैया। पानी बर ला बोलथे तो बोलथे कि बनही–बनही। कब बनही भैया जब तक हमन मिट्टी मा मिल जाबो भैया। चिखल मा रेगत हन।

127. श्री मन्नू यादव, ग्राम–पोंडी :– अग्रवाल स्ट्रक्चर कंपनी को समर्थन है।

128. श्री मोहित प्रजापति, ग्राम–पोंडी :– अग्रवाल फैक्ट्री का समर्थन हैं।

129. श्री अभय खाण्डे, ग्राम–सिलपहरी :– अग्रवाल स्ट्रक्चर को समर्थन करता हूॅ।

130. श्री केशव श्रीवास, ग्राम हरदीकला,टोना–अग्रवाल फैक्ट्री को समर्थन करता हूॅ। बाकि हमारे गांव के जो कर्मचारी है। काम करने वाले है उनको ज्यादा मान्यता दिया जाये। बिहार से आये हुये को मान्यता न दिया जाये।

131. श्री सूरज कुमार पटेल, ग्राम–सिलपहरी :– अग्रवाल स्ट्रक्चर को समर्थन करता हूॅ।

132. श्री सोमनाथ पटेल, ग्राम–सिलपहरी :– अग्रवाल स्ट्रक्चर को सहमति देता हूॅ।

133. श्री संतोष कुमार धूरी, ग्राम–कोरमी :–आज हम किसानो का हाल ऐसी हो गई है। इस फैक्ट्री के नाम से कुछ भी सब्जी लगाते है हो नहीं पाता है। हमें बहुत दुख है। बहुत जगह प्रदूषण फैल रहा है। मैं इस प्रदूषण के पक्ष में अपना समर्थन पेश करता हूॅ।

134. श्री विनय पटेल, ग्राम–धूमा :–कंपनी के पक्ष में हूॅ।

135. **श्री अवधेश खाण्डेकर, ग्राम–सिलपहरी :–** मैं अग्रवाल स्ट्रक्चर को समर्थन देता हूॅ। सभी भाईयो–बहनो से समर्थन करता हूॅ कि उद्योग के लिए समर्थन दे। क्योंकि हमारी रोजी–रोटी चल रही है। अग्रवाल स्ट्रक्चर को समर्थन देता हूॅ।

136. **श्री भागवत बंजारे, ग्राम–कोरमी** :– अग्रवाल स्ट्रक्चर को समर्थन देता हू।

137. **श्री प्रकाश धूरी :–** मैं विरोध करता हूॅ।

138. **श्री शाहिल कुमार रात्रे, ग्राम–कोरमी** :– इस कंपनी का मैं विरोध करता हूॅ।

139. **श्री मनीष बंजारे, ग्राम–कोरमी** :– मैं विरोध करता हूॅ

140. **श्री राजेश, ग्राम–कोरमी** :– मैं कंपनी का विरोध करता हूॅ।

141. **श्री अश्वनी कुमार, ग्राम–कोरमी** :– मैं कंपनी का विरोध करता हूॅ।

142. **श्री किशन रात्रे** :– मैं कंपनी का विरोध करता हूॅ।

143. **श्री सुख दयाल** :– मैं कंपनी का विरोध करता हूॅ।

144. **श्री अनिल कौशले** :– मैं कंपनी का विरोध करता हूॅ।

145. **श्री श्रवण पटेल, ग्राम–धूमा** :– मैं कंपनी का विरोध करता हूॅ।

146. **श्री शेखर पटेल, ग्राम–धूमा** :– मैं कंपनी का विरोध करता हूॅ।

147. **श्री सुशील, ग्राम–कोरमी** :– मैं कंपनी का विरोध करता हूॅ।

148. **श्री सूरज धुव्री, ग्राम–कोरमी** – मैं कंपनी का विरोध करता हूॅ।

149. **श्री छोटू** :– मैं कंपनी का विरोध करता हूॅ।

150. श्री हिमांशू कुमार – मैं कंपनी का विरोध करता हूॅ।

151. श्री रजनीकांत पटेल, धूमा – मैं कंपनी का पूर्ण विरोध करता हूॅ।

152. श्री प्रियांशू धुरी – मैं कंपनी का विरोध करता हूॅ।

153. श्री दीपक, ग्राम–कोरमी : – मैं कंपनी का विरोध करता हूॅ।

154. श्री सौरभ धुरी, ग्राम–कोरमी :– मैं कंपनी का विरोध करता हूॅ।

155. श्री उमेंद्र पाल, ग्राम–सिलपहरी :– श्रीजन फैक्ट्री का समर्थन करता हूॅ।

156. श्री तिजाउराम पटेल :– मैं कंपनी का विरोध करता हूॅ।

157. गणेशराम, उरकुरा :– मैं इस कंपनी का विरोध करता हूॅ।

158. श्रीमती रेवती कौशिक, हरदीभाटा –सब कंपनी बंद होना चाहिएं कोल कंपनी।

159. श्रीमती संध्या :–सब कंपनी बंद होना चाहिए।

160. श्रीमती संतोषी :–सब कंपनी बंद होना चाहिए।

161. श्री सचिन पटेल, ग्राम–सिलपहरी :– अग्रवाल कंपनी का समर्थन करता हूॅ।

162. श्री विरेन्द, ग्राम–धूमा :–कंपनी बंद होना चाहिए।

163. श्री लक्ष्मी नारायण श्रीवास, ग्राम–हरदीकला टोना :– कंपनी को समर्थन देता हॅ।

164. किसान भाईयो को प्रॉब्लम हैं या फिर मजदूर पढे लिखे है। कोई गिला शिकवा नहीं है कंपनी चल रहा है। अग्रवाल स्ट्रक्चर, गीतांजली, श्रीजन प्लांट बहुत सारे प्लांट है हमारे गांव में सबको प्रॉबलम है। बाकी सब सुविधा मिलना चाहिए। पढे लिखे बेरोजगार है जिसमें 100 प्रतिशत में से 90 प्रतिशत को बेरोजगार हो

मजदूरी नहीं मिलता है और 10 प्रतिशत को मिलता है। लेकिन इंसान गरीबी के लिए कुछ करता है। ये सब नहीं चाहिए। मैं नहीं चाहता हूॅ साहब किसी का कुछ बिगडे। किसान भाईयों का प्रदूषण कोई मायने नहीं रखता। रखता है मजदूरी, रोजगार, काम मिलेगा तो इंसान का जीवन आगे हमेशा बढेगा। ये चाहता हूं सबको हमेशा बराबर सम्मान अधिकारी मिलना चाहिए।

165. **श्री श्रवण कुमार साहू, ग्राम–हरदी टोना, पंच** :–ये फैक्टी बंद होना चाहिए।

166. **श्री अविनाश, ग्राम–सिलपहरी, उपसरपंच** :– सबसे पहले मैं यह कहना चाहता हूॅ इस कंपनी का पूर्ण समर्थन करता हूॅ। जो इसके विरोध में बोल रहे है उससे ये सवाल हैं इस क्षेत्र में 10 से 15 कंपनियां संचालित थी। 20 साल हो गया तब तक कोई काम नहीं किया। आज ये कंपनी समाजिक साहूकार के रूप में आसपास के जितने भी गांव है उसके लिए कुछ न कुछ कार्य कर रही है। जो बाहर के लोग यहां पर आकर तर्क दे रहे है। बंद हो जाना चाहिए पर्यावरएा प्रदूषण के बारे में कह रहे है। उसको प्रकाश संश्लेषण का सूत्र भी पता नही है। क्या पता है प्रदूषण क्या होता है। रियल प्रदूषण गांव वाले झेलते है उनको पता है। प्रदूषण क्या है। लेकिन इस क्षेत्र में जितना भी धुआं है बंद होना चाहिए। मेरा इसको विशेष समर्थन है। गांव के रहने वाले लोग माइक्रो फायनेंस से छोटा–छोटा लोन लिये रहते है। अगर ये कंपनी में काम नहीं कर पायेंगे तो अपना लोन कहां से पाटा पायेंगे। सबको समय–समय पर पैसे की जरूवत पड़ती है। जो 12 घंटे काम करता है उसको वोटी मिलता है सबको। ऐसा कोई कंपनिया नहीं है जो इनको शोषण करता है। सब कंपनी वाले इनका मजदूरी समय के हिसाब से पेमैंट करते है। आज ये कंपनी हमारे गांव में समाजिक संस्था पाने के लिए, मंदिर निर्माण, धार्मिक और बहुत सारा काम स्टाट कर दिया है। मैं इसके लिए पूर्ण समर्थन करता हूॅ।

167. **श्री टीकाराम यादव, ग्राम–सिलपहरी** :–मैं इस कंपनी का पूण सर्मथन देता हॅ।

168. **श्री संजय कुमार यादव, ग्राम–सिलपहरी** :–मैं अग्रवाल स्ट्रक्चर को सहमत देता हूॅ।

169. **श्री संतोष सिंह, ग्राम–बसिया :–** मैं कंपनी के पक्ष में समर्थन करता हूॅ।

170. **श्री मरकाम, ग्राम–कोरमी** :– विरोघ करता हूॅ।

171. **श्री आलोक कुमार साहू, ग्राम–सिलपहरी:–** मैं इसका समर्थन करता हूॅ।

172. **श्री अरूण कुमार, ग्राम–सिलपहरी** :– मैं अग्रवाल स्ट्रक्चर कंपनी का समर्थन करता हूॅ।

173. **श्री सूरज साहू, ग्राम–कोरमी** :– अग्रवाल कंपनी का समर्थन करता हूॅ।

174. **श्री राजू यादव** :– समर्थन

175. **श्री जिगेश पटेल, ग्राम–सिलपहरी** :–मैं इस एक्सटेंशन को वो करता हूॅ

176. **श्री महेश कुमार पाल, ग्राम–सिलपहरी** :– जितने लोग भी कंपनी का प्रदूषण का समर्थन कर रहे है एक चीज याद रखें। अपने बच्चो को सही सटीक जवाब नहीं होगा, उनके पास। पानी सही नहीं मिल पायेगा। कोई भी कंपनी कारगार उपाए नहीं कर रही है धुआं रोकन के लिए, अगर कोई कंपनी किसी गांव में महामाया मंदिर बना रही है, पानी दे रही है। इसका ये मतलब नहीं कि आप धुआं से गांव को झोक दो। लोगों का छत में चलके देखिये। एक रात में कितना धुआं जमा होता है। एकत्रित करेंगे 1 किलो धुआं मिलेगा, तो छोटे से जगह में वर्गमीटर में ये लोागों के सेहत के साथ खिलवाड है, अन्याय है। आत्मा की अवाज सुनो अपने आने वाले पीढी को क्या जवाब दोंगे। जवाब तैयार करके रखना, आपके बच्चे, आपके नाती–पोते आपको जूता मारेंगे। आपसे सवाल करेंगे उस दिन आपके पास कोई जवाब नहीं होगा।

177. **श्री अमित कुमार भार्गव, ग्राम पंचायत सिलपहरी, पंच** :– मैं अग्रवाल स्टक्चर को समर्थन करता हूॅ।

178. **श्री अभिलेश सूर्यवंशी, ग्राम–सिलपहरी** :– मैं अग्रवाल स्ट्रक्चर को सहमति देता हूॅ, प्लांट लगे ताकि हमारे भाई लोगों को रोजगार मिले और अपना रोजी–रोटी चलाये।

179. **श्रीमती इंद्राणी कौशिक, जनपद सदस्य** :– प्रदूषण सबसे मुख्य मुददा है। इंसान उद्योग के विरोध नहीं करें, रोजगार के विरोध नहीं करय, लेकिन प्रदूषण इतना ज्यादा है। एक ही कंपनी अग्रवाल के बात नहीं है यहां 10–10 कंपनी खुले हवय ओखर बात है। जब उद्योग नीति के बात आथे तो वहां ईएसपी के बात आथे, वृक्षारोपण के बात आथे। प्राय अभी तक कोई भी वृक्षारोपण जिस तदार में आथे उस तदाद में होना चाहिए। कंपनी वाले कमाई तो करते हो ही। महिला भाई–बहनी मन ला सब ला रोजगार मिलत हे। सब ठीक है मगर ये बोलना चाहिए। किसी को रोजगार नहीं दे सकव तो ओखर मुंह से निवाला छीन नहीं सकव। उद्योग लगावत हन आप मन, तो हम आपके बराबर नहीं हन। ऐतका हमर औकात नहीं है। आप उद्योगपति हो। जमीन ही ला पास कराये मा 4 साल लगथे। काहे बर मैं भी जमीन पास कराये रहव। 4 साल में उद्योगपति जमीन ला पास कराथव। लोन फाईनेंस कराये मा भी साल दो साल लगथे। ऐसा करके उद्योग लगाये मा 5 साल लगथे। जब 5 साल के संघर्ष ला हमन देखथन साथियों तो बहुत पसीना आ जा थे। तो कही–कही जाकर के हमन प्लांट बैठाना चाहथन तो क्षेत्रवासी मन के हमन ला विरोध के सामना करना पढथे। आप मन उद्योग नीति के हिसाब से अपन प्लांट ला लागू नहीं करव। जो भी है गांव के क्षेत्र मा गोदनामा लेना होथे। आज मैं पहली बार देखे हवव अग्रवाल स्ट्रक्चर ला कि आज सिलपहरी गांव ला गोदनामा लिये हवय। गोदनामा ले के विकास करे हे ये पहला प्लांट है। ऐखर नाम से मैं प्लांट वाले ला धन्यवाद देना चाहत हव। जब भी मोर महिला साथी मन व युवा साथी मन जो मांग करीस। तत्काल पूरा करीस है। लेकिन आज मोल शिकायत है कि अग्रवाल के मालिक कौन है। ये पूरा क्षेत्रवासी मन जानना चाहथे। यहां जीएम सिर्फ जीएम अभिजीत है। अभिजीत से क्या डीसकस कर सकन। मालिक से बात करना चाहिए मालिक ही समझ सकथे। क्षेत्रवासी मन के दर्द क्या है और क्या समस्या है तेका। ठीक है रोजगार दिये है आप मन ला धन्यवाद देना चाहत हव। करोना काल में पूरा बैठाल के पेमैट दिये है। मैं खुद आये रहव आप मन से बात करे बर। बात करके गये हव तो सब के पैमेंट देये। उद्योग के स्थापना करथे। छत्तीसगढ ला बारम्बार ला धन्यवाद देव थव। आज जो बेरोजगारी है ओला दूर करें के स्थापना करत हे। जैसे की आप सब जानत हव कि बिहार में भुखमरी मरत है। मोर छत्तीसगढ़ सरकार ला बारम्बार धन्यवाद देवत हव। हर क्षेत्र मा कहीं न कहीं रोजगार के उद्योग खुलत हे। आज सरकार नहीं चाही उद्योग लगाना तो उद्योग

नहीं लगाही तो हमर बहनी–भाई मन बेरोजगार हो जाहे। आप मन से निवेदन करना चाहत हव। प्रदूषण ला नियंत्रण करके कंपनी ला चलावा। बराबर मन के लोकल मन के बेराजगारी ला दूर करावा। बडे–बडे पद में बाहर के आदमी ला लाकर बैठाव हवव। लेवर केटेगरी मा गरीब आदमी मन ला बैठालथा। क्षेत्रवासी मन ला आप सहयोग करत हवव। तो ये भी सहयोग करत हे। ये चीज ध्यान मा देवह जब को कोई भी पद के बात हवव। आज मैं महिला ला देखथव कि एकोठीक महिला मन कंपनी मा लीपा पोछा मे नहीं हवय। जब भी मैं जाथव लोकल मन काम करे के काम करथे। कम से कम महिला मन ला 50 प्रतिशत काम दे दिये हे। 50 प्रतिशत महिला मन ला कही कम्प्यूटर मा कही सुपरवाईजन मा कही जीएम मा। ये अग्रवाल स्ट्रक्चर के खुशी के बात है। एक भी महिला उच्च पोस्ट में एक भी महिला नहीं है। महिला मन ला लेवर के काम मत करावा। महिला के बाराबर के अधिकार है महिला के कंपनी है। महिला मन ला जाके भागीदारी देवा। क्षेत्रवासी बोलत हे पानी के समस्या है, रोड के समस्या है। ये सही बात है आज 10 ठीक प्लांट है, 5–5 लाख के हेल्फ करके बाईपास से सडक निकाल लेथीन तो मोर ख्याल से आपमन के बडे–बडे गाडी आथे। 10 चक्का, 20 चक्का रोड झर्झर हो थे तो वो झर्झर नहीं होथीस। ये जमीन हमार है। हमन आदेश कराव जमीन हमार है। राज तुम्हारी ये नहीं चलेगा। जब जमीन हमारी है तो हमारी ही चलेगा। यहां पर क्षेत्रवासी के मांग है कि सभी क्षेत्रवासी मन ला सभी प्लांट वाले एक ही प्लांट वाले ला नहीं बोलना चाहत हव। एक ही प्लांट के गाडी नहीं आत हे। सभी प्लांट के गाडी आत हे। ऐमा छोटे–छोटे उद्योग के बात नहीं हे बडे–बडे उद्योग के बात है। बात प्रदूषण के नहीं। प्रदूषण जेखर नहीं ओखर भी आत हे। सबझन कमेटी के बैठक करके आप मन एक रोड निकाला। अभी ओमा एन.एच.49 के नेशनल हाईवे के रोड बनाये हव हमर गव्हमेंट हा। ओमा से डायरेक्ट उतारा ओमा से ही आना जाना करव। हमर पहुंच मार्ग है ओमा कोई दिक्कत नहीं आना चाहिए। आप मन के गाडी आथे तो हमन बाईक मा आना जाना करथन तो बहुत परेशानी होथे। काबर ओ तो खुद ही 10 चक्का, 20 चक्का के तुम्हर गाडी है। तो हमन केती साईड से उतरबो दादा। एक गांव मा विकास करना दू गांव मा विकास करना। मायने नई रखते मायने ये रखते कि पूरा क्षेत्र में शिक्षा, स्वास्थ के देखना है। रोजगार भी आपमन देवथा ये भी सब ला देखना हवय। जैसना आप मन आगे बढत जावत हव तैसना आप मन के कंपनी आगे बढत जाही। वैसनहा क्षेत्र भी है। जनता मन भी बात करथे। जनपद अध्यक्ष रहते मोर सी ओ बोलते मोर करोडपति इंद्राणी है काखर नाम से

जनता के नाम से मैं प्लांट वाले ला कहना चाहत हव कि मैं 10 रूपय के चंदा होवय तो बहुत बडे मेहरबानी होवय। आज तक मैं 10 रूपये के चंदा के नाम से नहीं गये हवव। कि मैं रोजगार के विरोध नहीं करना चाहव। मैं 5 गांव के खुद जनप्रतिनिध हव मोर पति कंपनी मा काम करथे। तो मोर घर मा चुल्हा जलथे। मोर पति हा घर चलाये बर एक कपडा दुकान मा काम करत रहीस हे जो 12 बजे रात के घर आत रहीस हे। 8 बजे आ जातीस तो वो समय फोन के जमाना नहीं हवय, के बजे आये नींद नहीं आये। सुबह 6 बजे 8 बजे फिर ड्यूटी जाना रहय। तो मैं धन्य हव कि मोर पति 8 बजे 10 बजे जाथे और 8 बजे घर आ जाथे। जो एक्सीडेंट के संभावना रहीस हे और जो प्रॉबलम रहीस हे। अभी बडे से बडे घटना होवत हे बिलासपुर मा हमला सोच के घबरा जाथे। प्लांट वाले ला धन्यवाद देना चाहत हव। हमरे बहनी–भाई, युवक मन ला सब ला रोजगार दिये हे। साथ ही साथ सिलपहरी गांव ला गोदनामा लिये हे। ओखर साथ ही साथ कुछ–कुछ काम क्षेत्र मा किये हवय। एनएच 49 जमीन से पैसा से मोर जमीन गये हवय। ओ जमीन मा हमर चढे–उतरे के साधन नहीं रहे हे। तो मैं अग्रवाल स्ट्रक्चर से बात करे बात आईस तो मैं बोले कि जहां से उतरे के जगह नहीं है तो आप रोड़ ला बनावव। तो ओखर बर हा बोलिस। कम से कम क्षेत्र मा वो काम करत हे। काम करे के क्षमता रखे हे। क्षेत्रवासी मन ला तकलीफ है लेकिन बाहरी आदमी मन अपन रोटी सेकत हे। ये मोला कतई पसंद नहीं है। प्रदूषण के विरोध करा। प्लांट के विरोध करे नई आये हन। प्रदूषण ला आप नियंत्रण रखता तो आज जन सुनवाई की जरूरत नहीं पडती। सबसे मुद्दे की बात यह है कि प्रदूषण नियंत्रण नही है। ईएसपी लागू नहीं करत हे। ईएसपी चलावत नहीं हे। घरो घर मा सोये के समय कथरी कांचे बर पडही। सभी प्लांट वाले ला बोलना चाहत हव। कि आपमन उद्योग नीति के हिसाब से अपन जितना भी प्लांट है ओला ईएसपी चलावो। कम करव और अपन प्लांट ला चलावव। आप मन आगे बढो और क्षेत्रवासी का आगे बढावा यही शुभ कामना है।

180. **श्री दिलीप भार्गव** :– आज तक मोला कोई सुविधा नहीं मिले हे। मोर दोनो पेट फुट गये हे। कोई इलाज पानी नहीं होवत हे। आज तक मोर सुनवाई नहीं होये हे। कंपनी के तरफ से कुछ नहीं मिलत हे। मैं गरीब आदमी हूँ। यही प्लांट में काम करे हव। तभी आज तक इलाज नहीं होये हे।

181. **श्री संगीत बघेल :–** अग्रवाल स्ट्रक्चर मा 7 साल से काम कर रहा हूॅ। भाई बंधु मन बोलीस हे सडक के बारे मा। हमन अग्रवाल स्ट्रक्चर वाला गारंटी देवत हन ये सब चीज के समाधान हमन करबो। 100 प्रतिशत गारंटी के साथ बोलत हव करबो। जो प्रदूषण, बडे–बडे गाडी के बारे मा सब समाधान अपन गांव में करबो। अग्रवाल स्ट्रचर बंद नहीं होना चाहिए। जो हमार रोजी–रोअी देथे। उमन हमका रोजी–रोटी नई देवय। सारी धूल धक्कड हमन गांव वाला खा थन। वो हमला रोटी–रोटी दे देथीस क्या। ऐखरे सेती अग्रवाल स्ट्रक्चर चलना चाहिए। और चलही हमन सब प्रॉबलम से समाधान करबो। अग्रवाल स्ट्रक्चर चलना चाहिए।

182. **श्री रामनाथ साहू, ग्राम–हरदीकला :–** सावधन धुआं धूल रोकने प्रबंध करो, वरना फैक्टी बंद करो, नहीं चाहिए ऐसा विकास, पर्यावरण पूरा बर्बाद। ग्रामीण कृषक आज। नहीं चाहिएं ऐसा विकास। ग्राम विकास में आपकी सहभागी होती है। जनता की सरोहत से आप सहमत है। इस तमाम बिन्दु को लिखित में देने को तैयार है। आपकी फैक्ट्री विस्तार के लिए समर्थन है। इन प्रदूषण को विशेष ध्यान रखिये पर्यावरण संरक्षण, ज्ञान विकास में सहभागी सुनिश्चित करें। मैं समर्थन करता हूॅ। गांव हो या प्रदेश हो तमाम लोगों को काम मिले, लोगों का आर्थिक स्थिति सुधरे। उक्त बिन्दुओं का आप लिखित वादा–कायदा से पालन करते है तो विकास के लिए समर्थन होगा।

183. **श्री रामभारद्वाज, ग्राम–सिलपहरी पंच** :– मैं कंपनी विस्तार अग्रवाल स्ट्रक्चर को समर्थन करता हूॅ।

184. **श्री घनश्याम लहरे, ग्राम–सिलपहरी** :– अग्रवाल स्ट्रक्चर को समर्थन करता हूॅ।

185. **श्री पियांशू, ग्राम–बन्नाक** :– मैं कंपनी का विरोध करता हू। मेरा हाथ कट गया हैं अभी तक मुआवजा नहीं मिला है।

186. **श्री साहू, युवा कांग्रेस** :– जितने लोग आज हल्ला कर रहे है। सब को 500–500 कल रात में दिया गया है। सब लोग बोल रहे है हम समर्थन कर रहे है। टीवी बीमारी, स्वॉस बीमारी हो रहा है। ये बीमारी आज फैलते जा रही है। बीमारियों का उपचार करने के लिए कोई बोला क्या ? हॉस्पिटल खोल दो सबको अपने–अपने जेब भरने के लिए मतलब है। यहां पर 10 ठोक फैक्ट्री है

कोई भी फैक्ट्री वाले इन सब बीमारियों के उपचार के लिए हॉस्पिटल खोल दो, कोई बोल रहा है क्या? करोना काल में इण्डस्ट्रीयल क्षेत्र के लोगों को ज्यादा बीमारियां पकडा है। क्योंकि उनका फेफडा कमजोर हो गया था। हॉस्पिटल का मांग कीजीए। एक गंभीर टीवी का बीमारी पकडता है तो जा के पूछो कितने घर में टीवी का बीमार है। सांस का बीमारी है। मेरा पिताजी का टीवी के बीमारी से मृत्यु हो गई है। क्या होता है टीवी का बीमारी। क्या इन्हें बोले है कि टीवी एवं श्वास के बीमारी का एक हास्पिटल खोल दो।

187. **श्री रामायण प्रसाद मानिकपुरी, धूमा** :– कोई पहल नहीं होवत हे। चाहे कंपनी कैसे खुलही। कंपनी से डस्ट निलत हे। बडे बडे हास्पिटल में भर्ती होवत हे। किसान भी बहुत परेशान हैं फसल भी बहुत चौपट होवत हे। ये फसल के जिम्मेदार कौन हे। भरपाई कंपनी से करवा थन। फसल लगाना बंद कर दे मासिक पेंशन 30,000 दे। कंपनी खुलना चाहिएं। कंपनी वाले गांव वाले ला प्राथमिकता देवत हे। सबके सब खुश हे। हरदी मा कंपनी खुलना चाहिए। आज डस्ट मा बीमारी ला झेलत हन। पैसा के बात नहीं परेशानी के बात है। काखर बाडी मा कितना सब्जी उगथे। ओकर बावजूद 70 प्रतिशत आदमी आकर बोलथे समर्थन हे, समर्थन हे। सहयोग के लिए सहयोग करत हे। जन प्रतिनिधि बस ऐतका बने हे यहां पर आकर भाषण देवत हे। कोई कंपनी बता दे कि आज हमन चंदा के लिए आये हे। अभी तक केस चलथे है ना। कंपनी वाले मन के सहयोग रहथे। पीढित परिवार के कोई सहयोग के लिए आगे नहीं है। कंपनी आटो मेटिक बंद हो जाये।

188. गांव वालो की समस्या हो रही है। यहां हम बोलेन के लिए आये है। हम लोगं पर दबाव डालेंगे तो क्या होगा। आप हमारे गांव में एक स्पताह तक आकर रहे। तभी उनको गांव में किस प्रकार की समस्या होती है पता चलेगा। यही मांग करता हूॅ।

189. श्री श्याम बर्मन, हरदीकला :– इसके पूर्व जन सुनवाई में मैं विरोध करने वाला पहला व्यक्ति था। ये क्षेत्र में हर ग्राम पंचायत 5 लाख 7 लाख का ग्राम के विकास कार्य है सीसी रोड पंचायत दिया हैं मैं समर्थन करता हूॅ। प्रदेश में सरकार चाहे तो फैक्ट्री एक दिन में बंद हो सकता है, सरकार चाहे तो दारू बंद हो सकता है। सरकार चाहे तो पूरी शांति व्यवस्था हो सकता है। सरकान नहीं

चाहता क्यू चाहेगा सरकार। क्या किसान लोग पैसा देंगे। इसलिए अग्रवाल स्ट्रक्चर को समर्थन करना चाहता हूॅ। इन्होंने सिलपहरी महामाया मंदिर का निर्माण कराया, गुरूघासीदास का ग्रील को जोडाया। पहले बार बोले अपने मुंह से काम कर रहे है। मैं अग्रवाल स्ट्रक्चर का मैनेजर, जीएम को नहीं जानता हूॅ। मैं समर्थन करता हूॅ। जो विकास कर रहा हॅ उसका विरोध करना उचित नहीं है। प्रदूषण को थोडा सा कंट्रोल करें और ईएसपी चलाईये। समर्थन करता हूॅ।

190. **श्री रामायण प्रसाद मानिकपुरी, ग्राम–धूमा** :– मैं एक गरीब किसान हूॅ फसल उगाथव। फसल मा इतना ज्यादा धुआं रच जाथे। कितना दवाई छिडकथव। मोला कोई शिकायत नहीं हैं मोर भाई–बन्धु मन बेरोजगार है यहां से सहायता मिलत है। मोला अच्छा लगीस है समर्थन करथव।

191. **श्री दिलीप अग्रवाल, बिलासपुर** :– ऐसा पहली बार हो रहा है जो कि दिलीप अग्रवाल किसी इण्डस्ट्रीज के पक्ष में बोल रहा है। बिलासपुर जिले में सारे उद्योग का विरोध कर रहा है। जिस क्षेत्र में उद्योग खोला जा रहा हैं। सामाजिक वेलफेयर सोसाटी होती है। जो उद्योग पतियों को देनी होती है। जो कि अग्रवाल इण्डस्ट्रीज ने 16 से 18 लाख लगभग महामाया का उद्धार उठाया। इसके लिए सतनाम समाज के लिए सहयोग की राशि दी। सारे उद्योगपति इस क्षेत्र के बारे में थोडा–थोडा सहयोग प्रदान करें। तो हम जैसे विरोधकर्ताओं को आपत्ति नहीं हो सकती है। पहली बार उद्योग है जो क्षेत्र में अच्छा कार्य कर रहा है। जन मानस को साथ लेकर चल रहा है। जनप्रतिनिधि को साथ लेकर चल रहा है। रोड का विषय है। रोड को दुरूस्त किया जाये। एनएच से जोडा जाये। असुविधाएं ग्रामीणों को नहो। ईएसपी व आने वाले समय में प्रदूषण नहीं फैलेगा। हमको विरोध नहीं करना चाहिए। इनके कार्य शैली को देख के समर्थन करना पड रहा है।

192. आसपास जितने कारखाने खुले है कि पिछले 20 सालों में आसपास के गांव में जितनी बीमारियां बडी है। या फैक्टी से धुआ, धूल, डस्ट के वजह से है। मैं चाहूंगा कि इसका सही समाधान निकाला जाये और आसपास के रोड है जो बहुत खराब हो चुके हैं उसे फैक्ट्री के जीएम महोदय से निवेदन करना चाहूंगा कि रोड खराब हो चुका है बिलासपुर पहुंच मार्ग हैं दुरूस्त कराये, आसपास के गांव 5–6 एवं 8–10 गांव है कृषि प्रधान जिसमें बारो महीना में साग–सब्जीयां

फसल उगते रहते है। बहुत ही ज्यादा दुष्प्रभाव पडा है। इसके वजह से सभी किसानों को तकलीफ हो रहा है। किसी प्रकार की फसल सही तरीके से नहीं हो पाई।

193. **श्री देवेन्द्र, ग्राम–सिलपहरी** :– अग्रवाल स्ट्रक्चर का धन्यवादा इसको नया रूप दिया। उद्योग नीति बहुत जरूरी है। मैं मानता हूॅ कि कुछ कारण फैक्ट्री से गलतियां होती है। हमारे कहने पर पिछेल जनसुनवाई में कुछ चीजों पर ध्यान नहीं दिया। ये एक कंपनी की बात नहीं है हमारे गांव में बहुत सारी कंपनियां लगी हुई है। ये कंपनियां हमारे गांव में प्रदूषण की बीमारी हैं। इन सभी कंपनियों में ईएसपी मशीन लगाया जाये। प्रदूषण को नियंत्रण किया जाये। वहां के लोगों को रोजगार मुहैया कराया जाता है। और वहां की आर्थिक स्थिति सुधरी होती है। लोगों को रोजगार मिलता है उनका जीवन यापन चलता है। जो लोग विरोध विरोध करते हैं उनको पता ही नहीं। विरोध करने का अर्थ उनको पता ही नहीं है। विरोध करने से कुछ हासिल नहीं होगा। उसका समाधान करना पढता है। उस कमियों को बताईये। मैं मानता हूॅ कि प्रदूषण हो रहा है। इसको दूर करिये। आपके कहने से कोई चीज नहीं होने वाली। शिक्षित बनिये, समझदार बनिये। फिर विरोध करिये। पहले सच्चाई जानिये, आंकडे जानिये। मैं भी इसी गांव का हूॅ। मैं भी किसान हूॅ मेरे पास 5 एकड़ जमीन है। प्रदूषण को सुधारा जाये। इएसपी लागू किया जाये। सडक को कोई सुधार नहीं रहा है। इस बात का मैं कठोर निंदा करता हूॅ। आने वाली सभी कंपनिया सब चीज को ध्यान रखे और ध्यान रखकर कार्य करे। हमारे इस फैक्ट्री से सबका विकास होना है। जिस गांव में उद्योगनीति होगी उस गांव का व जनता का विकास होना तय है।

194. **श्री कृष्ण प्रजापति, ग्राम–बसिया** :– समर्थन करता हूॅ। प्रदूषण कही नहीं है।

उपरोक्त वक्तव्यों के बाद अतिरिक्त कलेक्टर, जिला–बिलासपुर तथा क्षेत्रीय अधिकारी द्वारा उपस्थित जन समुदाय से अपने विचार व्यक्त करने का अनुरोध किया गया। किंतु जब कोई भी व्यक्ति अपने विचार व्यक्त करने हेतु उपस्थित नहीं हुआ तब लगभग 2:30 बजे अतिरिक्त कलेक्टर, जिला–बिलासपुर द्वारा लोक सुनवाई

के दौरान आये विभिन्न मुद्दों के निराकरण हेतु परियोजना प्रस्तावक को आमंत्रित किया गया।

परियोजना प्रस्तावक की ओर से श्री कोनेन सिद्दीकी, एम्पल इन्वॉयरन्मेंट प्राईवेट लिमिटेड, हैदराबाद मेसर्स अग्रवाल स्ट्रक्चर मिल्स प्राईवेट लिमिटेड, सिलपहरी, सिरगिट्टी, इण्डस्ट्रीयल एरिया बिलासपुर, जिला–बिलासपुर (छ.ग.) के द्वारा परियोजना के संबंध में लोक सुनवाई के दौरान उठाये गये मुख्य मुद्दों के निराकरण हेतु मौखिक रूप से उपस्थित जन समुदाय को अवगत कराया गया। लगभग 2:45 बजे अतिरिक्त कलेक्टर, जिला–बिलासपुर द्वारा लोकसुनवाई सम्पन्न होने की घोषणा की गई।

लोकसुनवाई स्थल पर लिखित में 02 आवेदन पत्र सुझाव/विचार/टीका –टिप्पणी प्राप्त हुई। स्थल पर उपस्थित प्रत्येक व्यक्ति को आवेदक से परियोजना पर सूचना/स्पष्टीकरण प्राप्त करने का अवसर दिया गया। लोक सुनवाई के दौरान 194 व्यक्तियों के द्वारा मौखिक सुझाव/विचार/टीका–टिप्पणी एवं आपत्तियां अभिव्यक्त की गई, जिसे अभिलिखित किया गया। लोक सुनवाई में लगभग 200 व्यक्ति उपस्थित थे। उपस्थिति पत्रक पर कुल 56 व्यक्तियों द्वारा हस्ताक्षर किया गया। आयोजित लोक सुनवाई की वीडियोग्राफी एवं फोटोग्राफी कराई गई।

क्षेत्रीय अधिकारी
क्षेत्रीय कार्यालय,
छ.ग. पर्यावरण संरक्षण मंडल,
बिलासपुर (छ.ग.)

अतिरिक्त कलेक्टर,
कार्यालय कलेक्टर,
जिला–बिलासपुर (छ.ग.)